तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 25.5 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, गुरुवार 26 जून 2025

14 राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी के लिए हुई ...

16 प्रस्तावित नई शराब दुकान के विरोध में उतरे ग्रामीण...

ट्रंक कांड का खुलासा, हत्या के बाद अंकित की थी पत्नी को बचाने दिल्ली शिफ्ट करने की योजना

माह भर पहले हत्या का प्लान, किशोर के पैर को दबा कर बैठी रही शिवानी, पति ने गला घोंटा और फिर रेत दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

करोड़पति किशोर पैकरा की निर्ममता पूर्वक गला घोंटकर तथा गला रेतकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को रहस्य से पर्दा उठा दिया। हत्या की वजह मृतक की करोड़ों की संपत्ति पाने का लालच तथा उसके साथ पूर्व में 30 लाख रुपए के लेन-देन का विवाद है। अंकित उपाध्याय ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी। इसके लिए उसने अपने नाम का फर्जी आधार कार्ड तैयार कराया। साथ ही लाश ठिकाने लगाने के लिए एक माह पूर्व धमतरी से एक सेकेंड हैंड कार खरीदी।

हरिभूमि फॉलोअप

एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि किशोर की हत्या के आरोप में अंकित, उसकी पत्नी शिवानी शर्मा के साथ पेशे से मजदूर विनय यदु तथा सूर्यकांत यदु को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी के अनुसार अंकित वकील ▶▶|शेष पेज 15 पर

दूसरे को मकान बेचकर पैसा अपने पास रख लिया

पूर्व में चंद्रप्रकाश को बेचे गए मकान को अंकित ने किसी दूसरे को 30 लाख रुपए में बेच दिया। मकान बिक्री की रकम किशोर को देने के बाद अंकित ने उसे शेयर बाजार में रकम निवेश करने पर दोगुना मिलने का झांसा देकर फिर अपने पास रख लिया। लंबे समय तक रुपए नहीं लौटाए जाने पर किशोर, अंकित से रुपए वापस मांगने लगा। इस पर अंकित ने किशोर को उसके खाने-पीने का खर्च के साथ देखभाल करने का झांसा दिया और रुपए लौटाने से बचता रहा। अंकित ने पूछताछ में बताया है कि लगभग एक साल से बेड में पड़े किशोर को वह नियमित भोजन देने जाता था। किशोर आए दिन लजीज खाने की मांग करता तथा पैसों के लिए ताना मारता था। इससे परेशान होकर अंकित ने सारी बातें अपनी पत्नी को बताई। इस पर उसने किशोर को रास्ते से हटाने पत्नी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

प्रापर्टी कब्जा करने के लालच के साथ 30 लाख रुपए लेन-देन का विवाद बना हत्या का कारण

ट्रंक की लाश का खुला राज, कथित वकील ने 'क्लाइंट' की प्रापर्टी हथियाने पत्नी के साथ की हत्या

फ्लैट किराया लेने के दो दिन बाद हत्या

किशोर की हत्या अंकित उसके हांडीपारा स्थित मकान में करना चाहता था। घनी आबादी वाला क्षेत्र होने की वजह से लाश ठिकाने लगाने के समय पकड़े जाने की आशंका थी। इसीलिए अंकित ने इंद्रप्रस्थ में किराए का फ्लैट लिया और शनिवार को किशोर को वहां लेकर आया। उसी दिन पत्नी के साथ मिलकर सोते समय किशोर की गला घोंटकर हत्या कर दी। गला घोंटने के समय शिवानी किशोर के पैर के ऊपर बैठी थी। इसके बाद अंकित ने चाकू से किशोर का गला भी रेता। हत्या करने के बाद दोनों पति-पत्नी ने मिलकर किशोर को ट्राली बैग के अंदर डाला और ऊपर से स्प्रे डालकर सत्यम विहार स्थित अपने घर आ गए।

पत्नी को दिल्ली शिफ्ट करने की थी योजना

हत्या कर लाश ठिकाने लगाने के बाद अंकित अपनी पत्नी को पुलिस से बचाने उसी दिन सोमवार को रात पौने नौ बजे की फ्लाइट से दिल्ली पहुंचा। शिवानी ने अपने भाई को पढ़ाई के लिए दिल्ली जाने का झांसा देकर एयरपोर्ट तक छोड़ने में मदद मांगी। अंकित ने अपनी पत्नी को मामला शांत होने तक दिल्ली में रखने की प्लानिंग की थी।

पैसों का लालच देकर लाश उठाने मदद ली

हत्या करने के बाद शाम के समय अंकित तथा उसकी पत्नी लाश को ठिकाने लगाने वापस किराए के फ्लैट पहुंचे। दोनों मिलकर ट्राली बैग नहीं उठा पाए। इसके बाद अंकित ने अपने परिचित के दो मजदूरों को पैसों का लालच देकर लाश ठिकाने लगाने राजी किया। रविवार को लाश से तेज बदबू आने आने लगी। बदबू से बचने एक हार्डवेयर की दुकान से 30 किलो सीमेंट लाकर लाश पर डाला और ट्रंक खरीदने गोलबाजार पहुंचे।

भांजे ने पहचानने से किया इनकार

मृतक किशोर की एक बहन दुर्ग में रहती है। पोस्टमार्टम होने के बाद शव का अंतिम संस्कार करने पुलिस ने किशोर की बहन से संपर्क किया, तो मृतक के भांजे ने अपने मामा से किसी भी प्रकार से रिश्ता होने से इनकार करते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। शव लेने से इनकार करने की वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है।

दूसरी पत्नी को दूर रखा

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक किशोर पूर्व से विवाहित है। पति से विवाद होने पर पहली पत्नी ने अपने दो बच्चों के साथ पति को छोड़कर किसी अन्य के साथ शादी कर ली थी, जिनकी अब मृत्यु हो चुकी है। सात-आठ साल पूर्व किशोर ने किसी अन्य महिला के साथ शादी की थी। संपत्ति हड़पने के लालच में अंकित ने किशोर को उसकी पत्नी से दूर रखने दोनों के बीच विवाद करा दिया था।

खबर संक्षेप

महिला का नहाते हुए वीडियो, अपराध दर्ज

रायपुर। आजाद चौक थाने में एक महिला ने एक युवक के खिलाफ उसका नहाते हुए वीडियो बनाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि वीडियो बनाने वाले युवक को उसके पति तथा बेटे पकड़ने के लिए गए, तो बदमाश ने अपने अन्य भाइयों के साथ मिलकर उसके पति तथा बेटे पर चाकू से हमला कर दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने वीडियो बनाने के आरोप में शेख जफर उर्फ झोल्टू, उसके भाई रेहान तथा कलाम के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

महिला मजदूर के साढ़े छह लाख ले उड़े चोर

रायपुर। खरोरा थाने में शमशान घाट प्रतीक्षालय में रहने वाली एक महिला ने अज्ञात चोर के खिलाफ मकान निर्माण के लिए रखे साढ़े छह लाख रुपए चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोरारी निवासी सुशीला देवांगन ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसने मकान निर्माण के लिए साढ़े छह लाख रुपए चावल के डिब्बे में छिपाकर रखे थे। अज्ञात चोर मंगलवार दोपहर चावल के डिब्बे में रखी रकम चोरी कर ले गया।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते 20 धरे गए

रायपुर। खमतराई थाने की पुलिस अपने क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने एक ओर मादक पदार्थ गांजा, शराब के साथ नशीली दवाई बेचने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है, वहीं सार्वजनिक जगह पर खुलेआम शराब सेवन करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए 20 शराबियों को सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते गिरफ्तार किया है।

किराये की कोख से गूंज रहीं किलकारियां, आधा दर्जन आवेदकों को अब भी इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उपचार की विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरी करने के बाद भी निराश दंपति के लिए सेरोगेसी प्रक्रिया वरदान साबित हो रही है। नियम बनाने के दो साल के भीतर दर्जनभर से ज्यादा निसंतान दंपती के घरों में किलकारी गूंज चुकी है। इतना ही नहीं, सरोगेसी की प्रक्रिया पूरी करने के लिए आधा दर्जन से अधिक परिवारों ने आवेदन किया है, जिसे मंजूरी मिलने का इंतजार है।

खास खबर

निसंतान दंपती के इलाज और उन्हें संतान का सुख दिलाने के लिए दो दर्जन से ज्यादा एआरटी एवं सरोगेसी क्लीनिक और बैंक निजी स्तर पर राज्य में काम कर रहे हैं। करीब दो साल पहले स्वास्थ्य विभाग द्वारा निसंतान दंपती की भावनाओं का ख्याल रखते हुए सरोगेसी के लिए नियम बनाया गया था। यह सुविधा उन्हें दिए जाने की अनुमति दी गई थी, जो एआरटी प्रक्रिया से भी निराश हो चुके थे। इस योजना से जुड़े चिकित्सकों के अनुसार दो साल में सरोगेसी मदर के लिए बड़ी संख्या में आवेदन विशेषज्ञों की कमेटी तक पहुंचे हैं, जिसमें से अनुमति के बाद दर्जनभर दंपती को संतान सुख की प्राप्ति भी हो चुकी है। विभागीय स्तर पर आधा दर्जन फाइल अनुमति के लिए पेंडिंग हैं, जिन्हें आने वाले दिनों में सरोगेसी एक्ट के लिए बनाई गई कमेटी के समक्ष रखा जाएगा। सरोगेसी मदर ▶▶|शेष पेज 15 पर

इस तरह के नियम

बनाए गए नियम के मुताबिक शादी के पांच साल बाद संतान नहीं होने की स्थिति के साथ एआरटी की सुविधा नहीं मिल पाने वाले दंपत्तियों के लिए सरोगेसी अंतिम विकल्प है। इसके लिये पति की निर्धारित आयु 28 से 55 साल, पत्नी की 23 से 50 तथा सरोगेट मदर की आयु 25 से 35 साल होना आवश्यक है। सरोगेट मदर के लिए चुनी गई महिला पति अथवा पत्नी की रिश्तेदार होना आवश्यक है। सरोगेट मदर बनने का श्रेय किसी महिला को एक बार ही दिया जाता है।

आंबेडकर अस्पताल में एआरटी सेंटर की योजना अधूरी

राज्य के बजट के दौरान आंबेडकर अस्पताल में निसंतान दंपत्तियों के लिए एआरटी सेंटर प्रारंभ किए जाने की घोषणा हुई थी। इसकी जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी मगर योजना को पिछले बजट में ही मंजूरी मिली है। हालांकि काफी समय बीतने के बाद भी इस पर अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। वर्तमान में किसी भी शासकीय अस्पताल में एआरटी की सुविधा नहीं है। निजी संस्थानों में इसके लिए बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है इसकी वजह से मध्यम वर्ग इसका लाभ नहीं ले पाता है।

तेलीबांधा तालाब में मर रहीं मछलियां, पानी से बदबू, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के तेलीबांधा तालाब में अब मछलियां मरने लगी हैं। इसके चलते तालाब के पानी से बदबू उठने लगी है। इससे मरीन ड्राइव में सुबह-शाम आने-जाने वाले लोग परेशान हैं। मरी हुई मछलियां तालाब के पानी के ऊपर भी नजर आने लगी हैं, जबकि तालाब के पानी को साफ रखने करोड़ खर्च कर नगर निगम ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगवाया है, पर इसके मानिटरिंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने से ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है।

- एक साल पूर्व भी इसी तरह की आई थी नौबत, निगम ने ब्लीचिंग पावडर का कराया था छिड़काव

नगर निगम के तेलीबांधा तालाब का पानी अब दूषित होने लगा है। करोड़ों रुपये खर्च कर यहां तालाब के पानी को ▶▶|शेष पेज 15 पर

संज्ञान में लेंगे

तेलीबांधा तालाब में मछलियां मरने की शिकायत आई है, इसे तत्काल संज्ञान में लेंगे। पानी को साफ रखने संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया जाएगा। शहर की जनता को को यहां किसी तरह की असुविधा न हो, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा। तालाब के पाथवे पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं करेंगे।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

एक साल पूर्व तेलीबांधा तालाब में मरने लगी थी मछलियां

तेलीबांधा तालाब में मछलियां मरने का यह मामला एक साल पूर्व भी चर्चा में रहा, जब बड़ी संख्या में मछलियां तालाब के ऊपर मृत अवस्था में नजर आयी थीं। तब कोई इसे आक्सीजन की कमी, तो कोई सीवरेज का गंदा पानी, तो कोई बढ़ते तापमान का कारण बता रहा था। तालाब के पानी से बदबू उठने का यह सिलसिला उस समय सप्ताहभर चला। लोगों की शिकायत के बाद रायपुर नगर निगम की ओर से उस समय तालाब के किनारे चूना और ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव भी कराया गया। तत्कालीन निगम आयुक्त के निर्देश के बाद अफसरों ने तालाब का निरीक्षण किया था और निगम के अधिकारियों ने जरूरी उपाय किये।

सरगुजा और बस्तर में भारी बारिश के आसार

माना में तेज बारिश, शहर में केवल रिमझिम फुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहरी इलाके में छाए बादल बुधवार को भी अपना अधिक असर नहीं दिखा पाए। शाम होने के बाद माना क्षेत्र में काफी तेज बारिश हुई, मगर शहर के भीतर रिमझिम फुहार से अधिक असर नहीं हो पाया। कल से प्रदेश में बारिश की गतिविधि बढ़ने का अनुमान है और सरगुजा तथा बस्तर में भारी बारिश होने के आसार हैं।

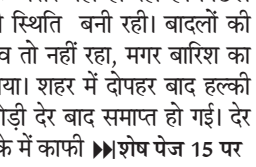

प्रदेश में मानसूनी बादल तो छा रहे हैं, मगर मध्य हिस्से में इनका अधिक असर नहीं हो रहा है। पिछले चौबीस घंटे में भी यही स्थिति बनी रही। बादलों की वजह से गर्मी का प्रभाव तो नहीं रहा, मगर बारिश का माहौल भी नहीं बन पाया। शहर में दोपहर बाद हल्की बारिश शुरू हुई, जो थोड़ी देर बाद समाप्त हो गई। देर शाम के बाद माना इलाके में काफी ▶▶|शेष पेज 15 पर

शिक्षकों के किसी भी पद की अतिशेष सूची का प्रकाशन नहीं, कनिष्ठ व्याख्याता यथावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

युक्तियुक्तकरण के दौरान काउंसिलिंग में हुई गड़बड़ियों के विरोध में प्रदेशभर के शिक्षक एक बार फिर से विरोध प्रदर्शन करने वाले हैं।शिक्षकों का कहना है कि रायपुर जिले के किसी भी विकासखंड व जिले में शिक्षकों के किसी भी पद की अतिशेष सूची का प्रकाशन ही नहीं किया गया। इसके कारण अतिशेष चिन्हांकित शिक्षकों के विषय में विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की शुद्धता का परीक्षण नहीं किया जा सका। ऐसी स्थिति राज्य के अन्य जिलों में भी है। अतिशेष चिन्हांकित शिक्षकों को काउंसलिंग के पहले दिन रात को व्यक्तिगत रूप से ▶▶|शेष पेज 15 पर

- काउंसिलिंग में हुई गड़बड़ियों को लेकर एक जुलाई से पुन: प्रदर्शन करेगा शिक्षक साझा मंच

अधिकतर स्थानों में गड़बड़ियां

बुधवार को शिक्षक साझा मंच ने शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी एवं संचालक ऋतुराज रघुवंशी से मुलाकात करके ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मंच के प्रदेश संचालक मनीष मिश्रा, वीरेंद्र दुबे, केदार जैन, संजय शर्मा, विकास राजपूत सहित अन्य मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि युक्तियुक्तकरण के तहत काउंसलिंग के दौरान अधिकतर जगह नियमों के विपरीत प्रक्रिया अपनाई गई। शिक्षक साझा मंच ने गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। दोषी अधिकारियों को ▶▶|शेष पेज 15 पर

एक्सीडेंट में गंभीर घायल की उपचार के दौरान मौत

रायपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में रोड एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार विक्रम सिंग चड्डा पिछले सप्ताह 21 जून को अपनी भतीजी के साथ प्रियदर्शिनी नगर रिंग रोड-1 स्थित पुजारी पेट्रोल पंप के पास रोड क्रास कर रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार क्रेटा कार सीजी 08 बीबी 6981 के चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार कार चलाते हुए विक्रम सिंग को ठोकर मार दी। कार की ठोकर लगने से विक्रम गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी डीकेएस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

एयरफिल्टर के लिए स्क्रबर और चिमनी की होगी स्थापना

महादेवघाट मुक्तिधाम में शवदाह के समय लकड़ी और कंडे का धुंआ नहीं करेगा परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के महादेवघाट में अंतिम संस्कार में शामिल होने वालों को अब लकड़ी और कंडे से निकलने वाला धुंआ परेशान नहीं करेगा। न ही इससे वायु प्रदूषण का खतरा रहेगा। रायपुर नगर निगम ने शहर के 3 मुक्तिधामों में शवदाह के दौरान निकलने वाले धुंए का एयर फिल्टर कर वायु शुद्ध करने स्क्रबर और चिमनी स्थापित करने की पहल की है। पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत इसकी शुरुआत महादेवघाट स्थित मुक्तिधाम से होगी। नगर निगम ने ऑनलाइन टेंडर कर इस कार्य के लिए एजेंसी तय कर वर्कआर्डर कर दिया है। अनुबंधित एजेंसी को इस कार्य करने के ▶▶|शेष पेज 15 पर

हरिभूमि सरोकार

एक साल का मेंटनेंस अनुबंध की शर्त में शामिल

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अनुबंध की शर्त के अनुसार चयनित एजेंसी एक वर्ष तक इसका मेंटनेंस करेगी। कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर अनुबंधित एजेंसी का कार्यकाल एक साल तक और बढ़ाया जा सकता है। पंद्रहवें वित्त आयोग के वायु घटक के तहत वायु सुधार के लिए नगर निगम को यह राशि मिली है। महादेवघाट के मुक्तिधाम में इस तरह के प्रयोग के बाद शहर के मारवाड़ी श्मशानगृह और देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में भी एयर फिल्टर के लिए स्क्रबर और ▶▶|शेष पेज 15 पर

प्रोबेशन पूरा होने के 10 साल बाद भी नियमित नहीं, हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार को जारी करना पड़ा आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के उच्च शिक्षा विभाग में 2013 में नियुक्त हुए प्रयोगशाला तकनीशियनों की प्रोबेशन की अवधि पूरी होने बाद अब 9 साल बाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद नियमित नियुक्ति का आदेश सरकार ने जारी किया है। खास बात ये है कि प्रोबेशन अवधि तीन साल की होती है। इसके बाद कर्मी को अगर उसका काम सही हो तो नियमित नियुक्ति देने का प्रावधान है, लेकिन यही गड़बड़ी अनुकंपा नियुक्ति, राजस्व, शिक्षा व जल संसाधन विभाग में भी होने की जानकारी मिली है।

ये है मामला

राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने वर्ष 2013 में प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर 58 लोगों की नियुक्ति 2 साल की परिवीक्षा अवधि तक के लिए की थी। लेकिन बाद में इसे सरकार ने 3 साल तक के लिए कर दिया था। यह अवधि पूरी होने के बाद कर्मियों को एक सामान्य प्रक्रिया के तहत नियमित करके सभी शासकीय सुविधाएं उपलब्ध कराना था। लेकिन विभाग ने यह काम 2025 तक नहीं किया था। इस मामले को लेकर कर्मियों ने बरसों तक आंदोलन किया, लेकिन सरकार ने एक न सुनी। बाद में यही लोग जब हाईकोर्ट गए तो वहां से उनके पक्ष में आदेश आया और अब उच्च शिक्षा विभाग को हाईकोर्ट के आदेश के पालन में नियमित नियुक्ति का आदेश जारी करना पड़ा।

- उच्च शिक्षा विभाग ने बरसों बाद किया 58 को नियमित
- लंबे समय तक आंदोलन, अब कोर्ट से पूरी हुई मांग

करना पड़ा लंबा आंदोलन

प्रयोगशाला तकनीशियन संघ के मुख्य संरक्षक विजय कुमार झा एवं संरक्षक सीरियल दुबे ने बताया है कि बूढ़ा तालाब धरना स्थल से लेकर तूता धरना स्थल तक परिवीक्षा समाप्त करने के लिए लंबे आंदोलन किए गए थे। राज्य शासन के आदेशानुसार किसी भी पद पर नियुक्ति के लिए परिवीक्षा अवधि 2 वर्ष है। बाद में सामान्य प्रशासन विभाग में इसकी अवधि बढ़ाकर 3 वर्ष कर दी थी। लेकिन अनेक संवर्ग के कर्मचारी प्रशिक्षण अवधि समाप्त करने के लिए संघर्षरत हैं। 7 वर्ष, 8 वर्ष 10 वर्ष में भी परिवीक्षा अवधि समाप्त नहीं होता है। इसके कारण वेतन वृद्धि, पदोन्नति आदि में विपरीत प्रभाव पड़ता है। तकनीशियनों की परिवीक्षा अवधि समाप्त किए जाने का मुख्य संरक्षक विजय कुमार झा, संरक्षक सी एल दुबे, उमेश मुदलियार,पीतांबर पटेल, सुनील तिवारी,अनिल राजपूत आदि ने स्वागत करते हुए आंदोलन के दौरान तत्कालीन शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर लोकसभा के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

खबर संक्षेप

अब निजी अस्पताल स्थापित करने पर 140 करोड़ तक का अनुदान देगी साय सरकार

रायपुर। प्रदेश की नई औद्योगिक नीति में प्रदेश के साय सरकार ने मेडिकल सेक्टर को बहुत बड़ी सौगात दी है। अब न्यूनतम 50 बेड वाले सभी प्रकार के एलोपैथिक, आयुष, नेचुरोपैथी अथवा एकीकृत हॉस्पिटल के स्थापना पर अधिकतम 140 करोड रुपए तक अनुदान देने जा रही है। प्रदेश सरकार की घोषणा के बाद मेडिकल जगत में उत्साह का वातावरण है। बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन से उनके निवास कार्यालय में आईएमए और चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर प्रदेश सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार जताया। मुलाकात करने वालों में प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ विमल चोपड़ा, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ किशोर सिंह, आईएमए के सचिव डॉ संजीव श्रीवास्तव, डॉ सुनील गोस्वामी, डॉ सुरेश वर्मा, डॉ मनोज अग्रवाल समेत अन्य चिकित्सकों शामिल थे।

अब 30 तक हो सकेंगे तबादले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब 30 जून तक तबादले हो सकेंगे। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। इससे पहले सरकार ने नई तबादला नीति जारी करते हुए 14 से 25 जून तक स्थानांतरण पर प्रतिबंध को शिथिल किया था। अब इसे 30 जून तक आगे बढ़ाया गया है। जिला स्तर, शासन स्तर पर जारी स्थानांतरण आदेश तथा क्रियान्वयन की स्थिति को 30 जून तक संबंधित जिला या विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। स्थानांतरण नीति की शेष शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

डीएपी खाद नहीं मिलने से नाराज किसान और कांग्रेसियों ने जताया आक्रोश

रायपुर। सरकारी गोदाम में पिछले एक माह से डीएपी खाद नहीं है, सैकड़ों किसान रोजाना गोदाम तक आते हैं, लेकिन खाली हाथ लौट रहे हैं, खाद नहीं मिलने से धान की रोपाई प्रभावित हो रही है। डीएपी खाद मांग को लेकर नाराज किसान और जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को जिला रायपुर के अभनपुर, धरसींवा के विभिन्न समितियों में प्रदर्शन कर तालाबंदी करके किसानों के साथ कांग्रेसजन आक्रोश प्रकट किया गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान शाखा प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया है और मांग किए है कि 24 घंटे में खाद नहीं आने पर पूर्ण तालाबंदी करने के लिए विवश होगें। शाखा प्रबंधक द्वारा आश्वाशन दिया गया है कि ट्रांसपोर्टर को तुरंत बोलकर डीएपी खाद उपलब्ध कराए जाएंगे, किसानों एवं कांग्रेसजनों द्वारा शाखा प्रबंधक के आश्वाशन पर धरना समाप्त किया। यही हाल पूरे जिले की है। अभनपुर में पिपरौद, माणिकचौरी, ढोढरा, सोनेसिलि सहकारी समितियों में प्रदर्शन किया गया, समितियों में किसानों को खाद दो, किसानों को परेशान करना बंद करो, खाद की कालाबाजारी बंद करो के नारे लगाते रहे।

राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी के लिए हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में उपलब्ध सामरिक एवं रणनीतिक महत्व के खनिजों के सुव्यवस्थित अन्वेषण एवं दोहन के संबंध में राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में एकदिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के सचिव एवं खनिज संसाधन विभाग के सचिव पी. दयानंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से परिपूर्ण एक समृद्ध राज्य है, जहां 28 प्रकार के प्रमुख खनिज जैसे कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट, लौह अयस्क, बाक्साइट, टिन अयस्क के साथ लीथियम, कोबाल्ट तथा रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे सामरिक एवं परमाणु महत्व के खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल प्रोग्राम ऑन एक्सप्लोरेशन स्ट्रैटेजी तथा नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित प्रयासों को और अधिक गति प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसका लक्ष्य राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा राज्य में रणनीतिक खनिज परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

इस कार्यशाला का आयोजन खनिज संसाधन विभाग तथा छत्तीसगढ़ भूविज्ञान एवं खनन संचालनालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसका उद्देश्य भारत की क्रिटिकल मिनरल्स क्षमता के समुचित दोहन हेतु वैज्ञानिक अन्वेषण तकनीकों को प्रोत्साहित करना, प्रस्ताव प्रस्तुतिकरण प्रणाली को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना तथा राष्ट्रीय स्तर की रणनीतिक अन्वेषण नीतियों मंप राज्य की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रविकांत गुप्ता ने छत्तीसगढ़ की भूवैज्ञानिक विशेषताओं एवं ओजीपी क्षेत्रों की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

एनएमईटी के भुवनेश्वर कुमार ने कही ये बात

मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड के भुवनेश्वर कुमार ने लीथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, निकल, टंगस्टन, फॉस्फेट जैसे खनिजों की खोज हेतु आधुनिक भू-भौतिकीय एवं भू-रासायनिक तकनीकों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिससे अधिकारियों को नवीनतम विधियों की जानकारी प्राप्त हुई। एनएमईटी से अक्षय वर्मा ने प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया, वित्तीय सहायता एवं अनुदान नीतियों की जानकारी साझा करते हुए एनएमईटी के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों को रेखांकित किया और राज्य की अधिक सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

वैश्विक खनिज आपूर्ति श्रृंखला में छत्तीसगढ़ की भूमिका

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि छत्तीसगढ़ की खनिज विविधता और गुणवत्ता इसे वैश्विक खनिज आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी बना सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि खनिज उत्पादन, बाजार मांग और भविष्य की संभावनाओं के बीच संतुलन स्थापित कर राज्य खनिज आधारित औद्योगिक विकास का नेतृत्व कर सकता है। समापन सत्र में राज्य में अब तक किए गए खनिज सर्वेक्षणों, उनके निष्कर्षों एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने तकनीकी दक्षता तथा अंतर-विभागीय समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। भूविज्ञान एवं खनन संचालनालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि खनिज संसाधन किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति का मूल आधार होते हैं। कार्यशाला ने यह स्पष्ट किया कि पारदर्शी, तकनीकी रूप से सक्षम एवं समयबद्ध प्रक्रियाएं अपनाकर छत्तीसगढ़ न केवल निजी एवं सार्वजनिक निवेश को आकर्षित कर सकता है, बल्कि राष्ट्रीय रणनीतिक खनिज नीति में भी अग्रणी भूमिका निभा सकता है। सभी प्रतिभागियों ने खनिज आधारित सतत औद्योगिक विकास हेतु संयुक्त प्रयास और दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर कार्यशाला में आईआईटी धनबाद के प्रो. साहेंद्र सिंह, आईबीएम के प्रेम प्रकाश, संचालक रजत बंसल, संयुक्त संचालक अनुराग दीवान एवं संजय कनकाने सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों, नीति सलाहकारों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने सहभागिता की।

भूपेश बोले

वो आपातकाल ढाई साल तक था, लेकिन ये तो 11 साल से है, न जाने कब तक चलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश में लगाए गए आपातकाल को आज 50 साल पूरे हो गए हैं, इसे लेकर बीजेपी देशभर में 'संविधान हत्या दिवस' मना रही है। इसको लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। बघेल ने कहा कि वो आपातकाल ढाई साल तक था, लेकिन ये तो 11 साल से लगा है और आगे न जाने कब तक चलेगा।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में संवाददाताओं से चर्चा में कहा, इंदिरा गांधी में हिम्मत थी कि उन्होंने इमरजेंसी लगाई और संविधान के तहत लगाई। बाद में हमारे नेताओं ने स्वीकार किया कि अन्याय हुआ, कुछ लोगों ने दुरुपयोग किया। इंदिरा गांधी ने स्वयं इमरजेंसी हटाई, खुद चुनाव कराया। इंदिरा गांधी ने देश में घोषित आपातकाल लगाया था, लेकिन पिछले 11 साल में अघोषित आपातकाल लगा है। लोकसभा में देखा गया 'अबकि बार 400 पार' संविधान बदलने के लिए किया गया। उन्होंने कहा, कैग की रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं होती, पिक एंड चूज की स्थिति है। राज्य, केंद्र के अधिकार में कटौती की जा रही है। यूनिवर्सिटी में आरएसएस के लोगों की नियुक्ति की जा रही है। न्यायपालिका को दबाने की कोशिश की जा रही। पहले औद्योगिक मामले में उद्योगपति अपनी बात रखते थे। मीडिया में पूरी तरह से नियंत्रण है। कोई मीडिया हाउस सरकार की नीतियों के खिलाफ कार्यक्रम चला दे तो उनके यहां सीबीआई, आईटी, ईडी पहुंच जाती है। यह कार्रवाई बिना इमरजेंसी लगाए की जा रही है। उन्होंने कहा, विपक्ष के खिलाफ लगातार कार्रवाई कराई जा रही। जो बीजेपी में शामिल हो जाता है, वो वॉशिंग मशीन में धुल जाता है। नेता विरोध में बात करते हैं, तो जेल में फेंक दिया जाता है, उसके यहां एजेंसियां पहुंचती हैं।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर केंद्र सरकार पर किया हमला

नए सीएस की नियुक्ति जल्द : साय

जैन 30 को होंगे रिटायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा में कहा है कि राज्य में नए मुख्य सचिव (सीएस) की नियुक्ति जल्द की जाएगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव, भारतीय प्रशासनिक सेवा 1989 बैच के अधिकारी अमिताभ जैन 30 जून को अपने पद से रिटायर हो जाएंगे। उनके बाद राज्य का अगला मुख्य सचिव कौन होगा, इसकी अटकलें कई दिनों से चल रही हैं। नौकरशाही में दिलचस्पी रखने वाले कई लोग इंतजार में हैं कि राज्य का अगला सीएस कौन होगा।

ये हो सकते हैं नए सीएस

छत्तीसगढ़ में इस वक्त 1991 बैच की अतिरिक्त मुख्य सचिव रेणु पिल्ले, 1992 बैच के सुब्रत साहू 1994 बैच की ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ इस वक्त छत्तीसगढ़ में सेवाएं दे रहे हैं। वहीं 1993 बैच के अमित अग्रवाल, 1994 बैच की निधि छिब्बर, विकासशील प्रतिनियुक्ति पर प्रदेश से बाहर सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ की स्वाभाविक दावेदारी सबसे अधिक प्रबल है।

सबसे लंबा कार्यकाल अमिताभ जैन के नाम

अमिताभ जैन वरिष्ठ आईएएस हैं और रायपुर जिले के कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव के पद पर पहुंचे हैं। इस बीच उन्होंने कई वरिष्ठ पदों पर अपने दायित्वों का निर्वहन सफलतापूर्वक किया है। यही नहीं, वे साफ-सुथरी छवि वाले एक कर्मठ अधिकारी भी माने जाते हैं। श्री जैन 30 नवंबर 2020 से मुख्य सचिव के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वे इसी माह 30 जून को रिटायर होंगे। लेकिन खास बात ये है कि पिछले पांच साल से श्री जैन लगातार मुख्य सचिव के रूप में सेवा देने वाले अकेले अधिकारी हैं। राज्य गठन के बाद अब तक 12 सीएस हुए हैं, सबसे लंबा और सफल कार्यकाल अमिताभ जैन के नाम दर्ज है।

आपातकाल एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, साव ने कहा- कांग्रेस आज भी वैसी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि कांग्रेस ने 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप कर लोकतंत्र के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात किया। कांग्रेस आज भी अपने इस किए के लिए न तो माफी मांगती है और न ही पछतावा प्रकट करती है। आज संविधान बचाओ का नारा देने वाली कांग्रेस वही पार्टी है, जिसने संविधान को सबसे पहले और सबसे गहराई से रौंदा था।

अरुण साव ने कहा, आपातकाल की घोषणा कोई राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, जिसे न्याय पालिका से मिली चुनौती से बौखलाकर थोपा गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया, जबकि न उस समय कोई युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह और न ही कोई बाहरी आक्रमण हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल के काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्याय पालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वह संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटती। आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है।

आज भी कांग्रेस की प्रवृत्ति वही है

श्री साव ने कहा, आज कांग्रेस में चेहरे बदल गए हैं, लेकिन तानाशाही की प्रवृत्ति और सत्ता का लोभ जस का तस है। 50 वर्ष बाद आज आपातकाल को याद करना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि यह इतिहास की एक घटना मात्र नहीं, बल्कि कांग्रेस की मानसिकता का प्रमाण भी है। राहुल गांधी ने अपनी ही केंद्र सरकार के अध्यादेश को प्रेस कॉन्फ्रेंस में फाड़कर संविधान के प्रति कांग्रेस की इसी अधिनायकवादी सोच का प्रदर्शन किया।

लोकतंत्र को तानाशाही में बदला गया

उप मुख्यमंत्री ने कहा, जिस संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी थीं, उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए उन्होंने लोकतंत्र को एक झटके में तानाशाही में बदल दिया। तत्कालीन इंदिरा-सरकार ने कार्यपालिका, विधायिका और न्याय पालिका सहित लोकतंत्र के तीनों स्तंभों को बंधक बनाकर सत्ता के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता पर ऐसा हमला हुआ कि बड़े-बड़े अखबारों की बिजली काट दी गई, सेंसरशिप लगाई गई और 253 पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया।

नेताओं को जेल में डाल दिया गया

साव ने कहा, मीसा जैसे काले कानूनों के जरिए एक लाख से अधिक नागरिकों को बिना किसी मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया, जिनमें लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और राजनाथ सिंह सहित तमाम वरिष्ठ विपक्षी नेता तो शामिल थे ही, छात्रों तक को जेल में सड़ने पर मजबूर कर दिया गया था। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को महफूज रखने के लिए संविधान में 39वां और 42वां जैसा क्रूर और अलोकतांत्रिक संशोधन किया, जिसके तहत प्रधानमंत्री और अन्य शीर्ष पदों को न्यायिक समीक्षा से परे कर दिया, ताकि इंदिरा गांधी को अदालत में घसीटा न जा सके।

बीजेपी क्यों मना रही है संविधान दिवस

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा, कांग्रेस शासन में लोकतंत्र का ऐसा पतन हुआ कि जेलों में बंद लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार में शामिल होने तक की अनुमति नहीं दी गई और इन लोगों में वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक शामिल थे। उन्होंने खुद खुलासा किया है कि उन्हें उनकी माताजी की अंत्येष्टि में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। विडम्बना की बात यह है कि आज वही कांग्रेस मोदी-सरकार पर तानाशाही की तोहमत मढ़ने में लगी है।

पुरानी टीपीए कंपनी का अनुबंध 30 अप्रैल को खत्म, नई की प्रक्रिया शुरू नहीं

आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का ऑडिट दो माह से अटका निजी अस्पतालों से आ रहे उपचार के धड़ाधड़ क्लेम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहरी वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के हितग्राहियों के निजी अस्पताल में उपचार के ऑडिट का काम पिछले दो महीने से अटक गया है। इसकी वजह से स्टेट नोडल एजेंसी के पास इलाज संबंधी क्लेम धड़ाधड़ भुगतान के लिए पहुंच रहे हैं। टीपीए कंपनी अपनी टीम के साथ मरीजों के वास्तविक इलाज का निरीक्षण करती है। पुरानी टीपीए कंपनी का काम 30 अप्रैल को समाप्त हो चुका है और नयी से अनुबंध की प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हो पाई है। प्रदेश में

लोगों निशुल्क उपचार की सुविधा देने के लिए स्वास्थ्य सहायता योजना का संचालन किया जाता है। इसके तहत पंजीकृत करीब 13 सौ अस्पतालों में हितग्राहियों को इलाज की सुविधा दी जाती है। निजी अस्पतालों में उपचार व्यवस्था की निगरानी करने का काम स्टेट नोडल एजेंसी द्वारा अनुबंधित कंपनी द्वारा कराया जाता है। कंपनी अपने डाक्टरों की तैनाती पंजीकृत अस्पताल में करती है, जो मरीजों की जरूरत के हिसाब से उपचार का ऑडिट करती है। सूत्रों का कहना है कि इस ऑडिट प्रक्रिया में अस्पतालों के माध्यम से किए जाने वाले फर्जी क्लेम पर विराम लगता है। पिछले दो माह से यह ऑडिट का काम अटका हुआ है, क्योंकि पुरानी कंपनी एफएचपीएल का टेंडर अनुबंध 30 अप्रैल को समाप्त हो चुका है। जानकार लोगों का कहना है कि ऑडिट नहीं होने की वजह निजी अस्पतालों द्वारा अंधाधुंध तरीके से क्लेम राशि भुगतान के लिए स्टेट नोडल एजेंसी को भेजा जा रहा है।

तीन साल अनुभवी एमबीबीएस डाक्टर जरूरी

सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य सहायता योजना में टीपीए कंपनी अपने खर्च पर तीन साल अनुभवी एमबीबीएस डाक्टर की व्यवस्था करती है। डाक्टरों को मरीज के उपचार की पूरी प्रक्रिया की जानकारी होना आवश्यक है। कुछ समय पहले अनुबंधित डाक्टरों को ऑडिट की जिम्मेदारी दे दी गई थी क्लेम रिजेक्शन की भारी संख्या के बाद काफी बवाल मचा था और कंपनी को इन डाक्टरों को हटाना पड़ गया था। अभी ऑडिट का काम नहीं होने की वजह से योजना से जुड़े अधिकारियों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

रूपे डेबिट एवं केसीसी कार्ड से आहरण लिमिट बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छग राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के प्राधिकृत अधिकारी केदार नाथ गुप्ता को-आपरेटिव्ह बैंकों के माध्यम से किसानों तथा हितग्राहियों की सुविधाओं में विस्तार करने लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। अपेक्स बैंक में उच्च अधिकारियों की बैठक में कोर बैंकिंग सुविधाओं की समीक्षा की गई।

प्रदेश के सभी को-आपरेटिव्ह बैंकों को कोर बैंकिंग के साथ ग्राहकों को मोबाइल बैंकिंग तथा यूपीआई भुगतान की सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रदेश के किसानों को रूपे डेबिट कार्ड एवं रूपे केसीसी कार्ड के माध्यम से राशि आहरण की सुविधा को 25 हजार से बढ़ाकर 40 हजार तक कर दिया गया है।

वहीं माइक्रो एटीएम से पहले किसान 10 हजार राशि निकाल सकते थे। अब एक दिन में 10 हजार की लिमिट को बढ़ाकर 20 हजार आहरण की सुविधा

प्रदान कर दी गई है। सहकारी बैंकों के 19. 72 लाख किसान ऋणी सदस्य हैं। इनमें से 11.77 लाख किसानों को रूपे डेबिट/ रूपे केसीसी कार्ड वितरित किया गया है। केदार नाथ गुप्ता ने अधिकारियों से निर्देशित किया कि शेष 7.95 लाख किसानों को शिविर लगाकर रूपे डेबिट कार्ड तथा रूपे केसीसी कार्ड वितरित किया जाए।

खबर संक्षेप

प्रयास विद्यालय में पांच विद्यार्थियों का हुआ, चयन

आरंग। सुजन सोनकर विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग के विद्यार्थियों ने प्रयास आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा दिलाई। जिसमे पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ। जिसमें पारख प्रकाश साहू, सुहाना हिरवानी, भावेश कुमार निषाद, यशिका साहू, मयंक बंजारे, कक्षा नवमी के लिए चयनित हुए। प्राचार्य यशोदा योगी, उप प्राचार्य भारती वर्मा, प्रधान पाठक सोहागा देवांगन, प्रयास परीक्षा मार्गदर्शक भीमा लाल यादव, सोहागा देवांगन एवं समस्त शिक्षकों ने बधाई दी।

आरंग के लंबित स्कूल भवन निर्माण कार्य होंगे पुनः शुरू

आरंग। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य सरकार ने पूर्व में स्वीकृत किंतु स्थगित रखे गए शासकीय विद्यालय भवन निर्माण कार्यों को पुनः प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की है। इस ऐतिहासिक निर्णय में आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री दर्जा गुरु खुशवंत साहेब की निरंतर पहल एवं प्रभावी अनुशंसा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके द्वारा लगातार विभागीय स्तर पर पत्राचार, प्रत्यक्ष संपर्क एवं बजटीय अनुशंसा के माध्यम से आरंग क्षेत्र के लंबित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता में लाने का कार्य किया गया। इस निर्णय से लाभान्वित होने वाले आरंग क्षेत्र के तीन विद्यालय जिसमें शासकीय हाई स्कूल गोढी, शासकीय हाई स्कूल कोरासी, शासकीय हाई स्कूल चपरीद शामिल है। गुरु साहेब ने कहा आरंग क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना मेरा संकल्प है।

प्रवेश उत्सव : छात्र-छात्राओं का पुस्तक व कॉपी वितरण कर किया उत्साहवर्धन

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर और मुंह मीठा कराके किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तिल्दा नेवरा

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सासाहोली में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, सभापति व अध्यक्ष शाला विकास प्रबंधन समिति रानी सौरभ जैन, भाजपा महामंत्री सौरभ जैन, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष मनोज निषाद, नगर पालिका के सभापति ईश्वर यदु , विनोद नेताम, संतोष यादव, ग्वालिन बाई, दिनेश साहू पार्षद, आदि उपस्थित हुए।

अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को गुलाल का टीका लगाकर उनका मुंह मीठा करा कर उन्हें बधाई दी साथ ही कापी पुस्तक का वितरण किया गया।नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा ने अपनी उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कार्यक्रम की प्रशंसा की एवं स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके लिए रंगमंच नहीं बना है जहां नगर पालिका अध्यक्ष ने रंगमंच की घोषणा की। जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष व सभापति रानी सौरभ जैन ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे इस विद्यालय के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष भी हैं, और छात्र-छात्राओं को पढ़ाई लिखाई में किसी भी तरह की दिक्कत हो या किसी भी तरह की कॉपी किताब जैसे मूलभूत चीजों की आवश्यकता हो तो वह उनसे संपर्क कर सकते हैं वे छात्र-छात्राओं की मदद करेंगे। साथ ही उन्होंने बच्चों को चॉकलेट का वितरण भी किया और पेन का वितरण भी उनके द्वारा किया गया। अन्य अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन व्यक्त किए, आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य सुभाष शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं पालक गण, छात्र-छात्राएं गणमान्यजन भारी संख्या में उपस्थित हुए।

समोदा में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया

आरंग। कर्मा विद्यालय समोदा में नए सत्र 2025-26 में नवप्रवेशी बच्चों के लिए शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती छाया चित्र पर पूजा अर्चना कर नव प्रवेशी बच्चों का चंदन तिलक लगाकर व मुंह मीठा कर शाला में प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर मंजुला मिश्रा मुख्यनगर पंचायत अधिकारी समोदा ने नव प्रवेशी बच्चों को शुभाशीष प्रदान करते हुए बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था के लिए शाला प्रबंधक को शुभकामनाएं दी। स्कूल संचालक नंद कुमार साहू ने स्कूल में बच्चों को एक बेहतरीन माहौल के बीच गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं स्कूल में प्रदाय की जा रही सुविधाओं से सबको अवगत कराया। इस अवसर पर रामकृत साहू, नम्रता देवांगन प्रधान पाठक, शिक्षकगण पूजा साहू, टिकेश्वरी मानिकपुरी, हितेश कुमार साहू, सोमनाथ साहू, इंदु साहू, ज्योति साहू, डिकेश्वरी निषाद, वंदना साहू, होमिका साहू केयर टेकर, सुनयना साहू, मेनका निषाद सहित पालकगण उपस्थित रहे।

प्रवेश उत्सव में बच्चों को शिक्षण सामग्री किया वितरण

मंदिर हसौद। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सकरी में छात्र छात्राओं को पुस्तक व कॉपी वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रायपुर कृषि उपज मंडी पूर्व अध्यक्ष नारायण कुर्रे व सरपंच मति सोनल कुर्रे ने उद्बोधन किया। जहां छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य बरखा साहू, उपसरपंच पूर्णिमा सिन्हा पंच गण महेंद्र गेन्द्रे लक्ष्मीनारायण, अलका कुर्रे, नीलकंठ, सजनी, प्रीति, लोमेश, नेहा, जागेश्वर, खेम सिंह श्याम सिंह धनेश्वरी माध्यमिक शाला प्रभारी जयंती साहू दुष्यंत सर भूमिका और प्राथमिक शाला से आदि उपस्थित हुए।

सांकरा में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर धरसींवा विधायक शर्मा ने उठाई आवाज

■ ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धरसींवा

रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH30) पर स्थित औद्योगिक क्षेत्र सांकरा में लगातार हो रहे जानलेवा सड़क हादसों ने अब एक बड़े सामाजिक सरोकार का रूप ले लिया है। इन दुखद घटनाओं पर गंभीर रुख अपनाते हुए धरसींवा के विधायक अनुज शर्मा ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर तत्काल ओवरब्रिज निर्माण की मांग की है। यह कदम सिर्फ एक सड़क समस्या का समाधान नहीं, बल्कि उन अनमोल जिंदगियों को बचाने का प्रयास है। सांकरा का क्षेत्र अब केवल औद्योगिक केंद्र नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का एक हॉटस्पॉट बन गया है। बीते दिनों एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत सहित कई अन्य दर्दनाक हादसे यहां के लोगों को झकझोर चुके हैं, औद्योगिक इकाइयों की बढ़ती संख्या के साथ-साथ वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही कई गुना बढ़ गई है, लेकिन सुरक्षित आवागमन के लिए कोई ठोस उपाय नहीं है। ओवरब्रिज के अभाव में हर दिन यहां से गुजरना एक जानलेवा जोखिम उठाने जैसा हो गया है।ग्रामीणों में इन लगातार हो रही मौतों और आए दिन के चक्काजाम को लेकर गहरा आक्रोश है। ऐसे विकट समय में विधायक अनुज शर्मा ने अपनी संवेदनशीलता और जवाबदेही का परिचय दिया है। उन्होंने इन हादसों को सिर्फ एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय त्रासदी के रूप में देखा है। ग्रामीणों की पीड़ा और उनकी सुरक्षा की चिंता ही उन्हें केंद्रीय मंत्री तक पहुंचने के लिए प्रेरित कर रही है। नितिन गडकरी को लिखा गया यह पत्र केवल एक औपचारिक पत्राचार नहीं, बल्कि सांकरा के लोगों की सामूहिक आवाज है, जो बेहतर और सुरक्षित भविष्य की मांग कर रही है। यह दर्शाता है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।

डीएपी खाद की भारी कमी पर धरसींवा में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धरसीवा

धान की बोनी का समय करीब है और छत्तीसगढ़ के किसान डीएपी खाद की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर प्रदेश एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसीवा ने में जोरदार प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा के नेतृत्व में सभी सोसाइटियों में शाखा प्रबंधकों को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पूर्व सांसद छाया वर्मा की मौजूदगी खास रही, जिन्होंने किसानों की पीड़ा को आवाज देते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। छाया वर्मा ने प्रदर्शन के दौरान साफ शब्दों में कहा कि पूरे प्रदेश में डीएपी खाद की भारी कमी है। किसानों ने धान की बोनी शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक उन्हें खाद उपलब्ध नहीं हो पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कमी का फायदा उठाकर सोसाइटियों में डीएपी के नाम पर किसानों को एनपीके नामक घटिया खाद जबरदस्ती दी जा रही है। वर्मा ने जोर देकर कहा कि यह खाद गुणवत्ताहीन है और इसके इस्तेमाल से धान का उत्पादन कम होगा, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ बीजेपी की सरकार किसानों के हित की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ उनके कार्य पूरी तरह से किसान विरोधी साबित हो रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसानों ने एक स्वर में सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि यदि सरकार समय रहते खाद की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं करती है और कालाबाजारी पर लगाम नहीं लगाती है।

पानी जमाव व सफाई की समस्या को लेकर नगर पालिका ने लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

नगर पालिका आरंग क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 13 दीनदयाल कालोनी में पानी जमाव, साफ-सफाई एवं अन्य समस्याओं के निराकरण हेतु विकास समिति के अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर द्वारा माननीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब से आग्रह किया। जिस पर उनके द्वारा समस्याओं के निराकरण हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कालोनी के निरीक्षण का निर्देश दिया गया।

विभिन्न समस्याओं को लेकर गत दिनों महिला जागृति समिति द्वारा भी ज्ञापन दिया गया था। इन्हीं समस्याओं के निराकरण हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी आरंग एवं कनिष्ठ अभियंता नगर पालिका आरंग द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संरक्षक द्वय मदन लाल साहू एवं पंडित नरेंद्र द्विवेदी के साथ अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर द्वारा पानी निकास की समस्या, नाली एवं सड़को की सफाई, मच्छर एवं सड़क किनारे कटीले झाड़ियों की छटाई, कालोनी के पीछे गली की नालियों की सफाई एवं अन्य समस्याओं पर ध्यानाकर्षण किया। उक्त समस्याओं के निराकरण हेतु तत्काल प्रयास करने एवं कालोनी में सफाई कर्मचारी बढ़ाने का आश्वासन सीएमओ द्वारा दिया गया।

नेवरा के साप्ताहिक बाजार में कीचड़ और गंदगी का अंबार

तिल्दा नेवरा। नगर के गायत्री माता मंदिर के सामने स्थित साप्ताहिक बाजार, जो कि बुधवार और रविवार को बड़े स्तर पर आयोजित होता है, वर्तमान में बदहाल स्थिति से गुजर रहा है। इसके अतिरिक्त यहां प्रतिदिन सब्जी नीलामी भी होती है, जिससे यह क्षेत्र स्थानीय व्यापार और आमजन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण बन चुका है। लेकिन अफसोसजनक स्थिति यह है कि यह प्रमुख बाजार क्षेत्र आज मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी से जूझ रहा है।

बरसात के शुरुआती दौर में ही जगह-जगह पानी भर गया है और उचित जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण सड़क पर ही पानी जमा है। इससे कीचड़ और गंदगी का अंबार लग गया है, जिससे न केवल सब्जी विक्रेता बल्कि खरीददार भी बेहद परेशान हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि वे हर सप्ताह इसी गंदगी और असुविधा के बीच अपना व्यवसाय संचालित करने को मजबूर हैं। व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने नगर प्रशासन से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

सेमरिया मे साहू समाज की बैठक संपन्न

आरंग। ग्राम सेमरिया में साहू समाज समोदा द्वारा एक दिवसीय बैठक रखा गया। जिसमें तहसील अध्यक्ष सोहन साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष डॉ. परस राम साहू, संरक्षक शिव कुमार साहू, उपाध्यक्ष चिन्ताराम साहू, महिला उपाध्यक्ष अनुसुइया साहू, सचिव टीकम साहू, अकेचक लक्ष्मी नारायण साहू, ज्ञान चंद साहू, कमलेश साहू, भीम साहू, चेतन साहू, सरपंच एवं ग्रामीण अध्यक्ष ब्रिज लाल साहू सहित परिक्षेत्र के समस्त पदाधिकारी गन उपस्थित थे।

पेज 13 के शेष...

माह भर पहले हत्या ....

होने के साथ जमीन, मकान खरीदी-बिक्री करने का कार्य करता है। वर्ष 2015-16 में खरोरा निवासी चंद्रप्रकाश कुर्रे को किशोर ने अपना बजरंगनगर स्थित मकान 50 लाख रुपए में बेचा था। मकान बेचने के बाद किशोर ने चंद्रप्रकाश को कब्जा देने के बजाय उसके खिलाफ कोर्ट में आवेदन दे दिया था। इस दौरान अंकित, किशोर के संपर्क में आया और अपना परिचय वकील के रूप में दिया। साथ ही किशोर को भरोसा दिलाया कि वह हाईकोर्ट में केस दायर कर मकान वापस उसे दिला देगा। इसके एवज में अंकित, किशोर को झांसा देकर रुपए लेता रहा।

तेलीबांधा तालाब में ....

साफ करने निगम ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तो लगवाया, पर इसके रखरखाव और निगरानी पर निगम के अधिकारियों का ध्यान नहीं होने से तालाब में मछलियां मरने लगी हैं। सूत्रों के मुताबिक एसटीपी के संचालन व संधारण के लिए नागपुर की एजेंसी को ठेका दिया गया है। इसके बाद भी ऐसी स्थिति समझ से परे है, जबकि नगर निगम ने तेलीबांधा तालाब की सुंदरता निखारने और लोगों को आकर्षित करने वहां रीक्रियेशन जोन विकसित करने का काम बखूबी कराया है। इसके चलते तेलीबांधा तालाब के रीक्रियेशन जोन सहित परिक्रमा पथ में बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ खुली हवा में सांस लेने परिवार के साथ यहां पहुंचते हैं। यही नहीं, बच्चों के लिए आकर्षक झूले सहित अन्य तरह के विविध मनोरंजक प्रयोजन भी उपलब्ध कराये गये हैं। इसके अलावा अलग से फूड जोन विकसित किया गया है।

ऐसे में तेलीबांधा तालाब की देखरेख में अनदेखी के कारण तालाब के पानी में रहने वाली मछलियां मरने लगी हैं। इस ओर नगर निगम के संबंधित जोन व निगम मुख्यालय में बैठे आला अफसरों का ध्यान नहीं जा रहा है। मछलियों के मरने से तालाब के पानी से बदबू उठने लगी है। इसे लेकर मरीन ड्राइव में आने-जाने वाले लोग भी शिकायत करने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक पखवाड़ेभर से यह स्थिति बनी हुई है।

माना में तेज ....

देर तक तेज बारिश होती रही, मगर तेलीबांधा से आगे यह बेअसर होकर रह गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि गुरुवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। हालांकि भारी वर्षा का क्षेत्र सरगुजा और बस्तर संभाग रहेगा। अभी एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश तथा दूसरा उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे तटीय उत्तर उड़ीसा-तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर स्थित है। इसके प्रबल होकर एक निम्न दाब का क्षेत्र इसी स्थान पर बनने की संभावना है।

किराये की कोख ....

दिनों में सरोगेसी एक्ट के लिए बनाई गई कमेटी के समक्ष रखा जाएगा। सरोगेसी मदर की अनुमति देने के लिए विभिन्न अस्पतालों के माध्यम से आवेदन आते हैं। इसमें माता-पिता के साथ सरोगेट मदर के चिकित्सकीय रिपोर्ट के साथ अन्य जानकारी, शपथपत्र सहित अन्य दस्तावेजों की फाइल कमेटी के समक्ष रखी जाती है। कमेटी में विभिन्न विषय विशेषज्ञ होते हैं, जो फाइलों के अध्ययन के बाद सरोगेसी की प्रक्रिया पूरी करने वाले सेंटर का निरीक्षण कर ओके रिपोर्ट देते हैं।

शिक्षकों के किसी ...

अचानक सूचना दी गई। उन्हें दावा-आपत्ति का कोई अवसर नहीं दिया गया। रायपुर जिले में प्राथमिक शालाओं में उस संस्था के वरिष्ठ सहायक शिक्षकों को अतिशेष चिन्हांकित कर काउंसलिंग में बुलाया गया। कनिष्ठ सहायक शिक्षकों को उन्हीं शालाओं में यथावत रखा गया है।

अधिकतर स्थानों ....

चिन्हांकित कर कार्यवाही नहीं होने एवं त्रुटि में सुधार नहीं होने पर सभी ब्लॉक मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

महादेवघाट मुक्तिधाम ....

एवज में 70 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। नगर निगम ने राजधानी के महादेवघाट, मारवाड़ी श्मसान गृह और देवेंद्र नगर स्थित मुक्तिधाम में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने नवाचार अपनाया है। इससे अंतिम संस्कार के दौरान लकड़ी और कंडे से निकलने वाले दमघोटू धुंआ से लोगों को राहत मिलेगी। यही नहीं, मुक्तिधाम के आसपास वायु की गुणवत्ता में सुधार होगा। महादेवघाट स्थित श्मशानगृह से इसकी शुरुआत की जा रही है। इसमें रायपुर की सालासार टेक्नो एजेंसी एजेंसी 3 माह में यह कार्य पूरा करेगी। श्मशानघाट में शवदाह के दौरान निकलने वाले धुंए को चिमनी और स्क्रबर की सहायता से फिल्टर कर बाहर वायुमंडल में छोड़ा जाएगा।

एक साल का....

चिमनी की स्थापना कर वायु प्रदूषण पर नियंत्रयण करने पहल की जायेगी।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -3, तहसील व जिला रायपुर छत्तीसगढ़

:: आम सूचना ::

दिनांक 17.06.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर-3 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक मनीष कुमार वर्मा पिता रामेश्वर प्रसाद वर्मा निवासी टाटीबंध रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर-3 तहसील व जिला रायपुर स्थित खसरा नंबर 166/88, 167/13 रकबा क्रमशः 0.0230 हे., 0.0110 हे. भूमि सीमांकन हेतु हमारे द्वारा दिनांक 03/07/2025 को समय 12.00 बजे पश्चात से किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर खसरा नंबरों के संबंध में जो भी दावा या आपत्ति हो तो समक्ष में प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सो सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा
तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

मूल निश्चयात्मक अनुबंध विलेख के गुम होने की सूचना

एतद् द्वारा आम आदमी को सूचित करना चाहती हूँ, कि हम क्रेतागण श्रीमती जिया कुकरेजा पति- श्री प्रकाश कुकरेजा पता- म.नं. 93, गली नं.4, सिंधी धर्मशाला के पास, तेलीबांधा, जिला-रायपुर छ.ग. व श्री देवेश तलरेजा पिता श्री राजेश तलरेजा पता- म.नं. 13, भृगु गली, बजरंग वार्ड, जिला-भाटापारा बलौदा बाजार, छ.ग. ने विक्रेता श्री रेणुका रमेश बुधवानी पति-श्री रमेश बुधवानी पता-चोपड़े भवन के पास, सुतालपुरा, खामगांव, बुलढाना, महाराष्ट्र, के स्वामित्व व अधिपत्य का एक भूखण्ड जिसका भूखण्ड क्रमांक डी-99 रकबा 297.50 वर्गमीटर याने कि 3202 वर्गफीट, सेक्टर-12, नगर विकास योजना क्रमांक 4 कमल विहार खसरा नं. 401 एवं 425 का भाग, वाके मौजा ग्राम- देवपुरी, प.ह.नं. 114/52, तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. में स्थित भूखण्ड को दिनांक 29/03/2022 को क्रय की गई पूर्व में भूखण्ड मूल स्वामीगण 1. श्रीमती सीता बंजारे पति स्व.पन्नालाल बंजारे, 2. वैशानी बंजारे 3. आयुष बंजारे 4. तावेश बंजारे 5. विनेश बंजारे (पिसरान) सभी के पिता स्व. पन्नालाल बंजारे, सभी के पता ग्राम- मुर्रा, तहसील- पाटन, जिला-दुर्ग, छ.ग. 6. श्री तोषण बंजारे पिता स्व. शिवचरण बंजारे पता-फिंगेश्वर जिला गरियाबंद 7. श्री पीलूराम बंजारे पिता स्व. शिव बंजारे पता ग्राम- देवपुरी, रायपुर, 8. राजबाई बंजारे पिता-स्व. शिवचरण बंजारे पता- ग्राम-मुमडीलेवा, राजनांदगांव, 9. सुधाबाई बंजारे पिता स्व. शिवचरण बंजारे पता- टिकरापारा, रायपुर, 10. रीतन बाई बंजारे पिता स्व. शिव बंजारे, पता- ग्राम देवपुरी, रायपुर, 11. रामेश्वरी बाई बंजारे पिता- स्व. शिव चरण बंजारे पता-शहीद हमीद चौक, रायपुर, 12. मीनू बाई बंजारे पिता-स्व. शिव चरण बंजारे निवासी- नूतन स्कूल के पास, टिकरापारा, रायपुर, छ.ग. सभी के द्वारा मुख्तार आम श्री हरीश साधवानी पिता-श्री श्यामलाल साधवानी, पता-डॉ. रावलानी नर्सिंग होम के बाजू गली, श्याम नगर, तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. ने रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा- मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर के मध्य उपरोक्त भूखण्ड का एक निश्चयात्मक अनुबंध विलेख का निष्पादन दिनांक 07/05/2016 को किया गया था, जिसका पंजीयन कार्यालय-उप पंजीयक रायपुर छ.ग. में पुस्तक क्रमांक एडी- 1 ग्रंथ क्रमांक 70560 के पृष्ठ क्रमांक 70 से 79 पर दस्तावेज क्रमांक 695 क देकर है। तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति भूखण्ड की मूल प्रति मेरे (श्रीमती जिया कुकरेजा) द्वारा दिनांक 18/06/2025 को एक थैले में डालकर अपनी स्कूटी में रखकर किसी काम से शाम को लगभग 6 बजे स्थान तेलीबांधा से टिकरापारा रायपुर की ओर जाते समय मूल दस्तावेज गुम/खो गई हैं, जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना- टिकरापारा रायपुर छ.ग. में दर्ज है। व जिस किसी भी सज्जन व्यक्ति को उपरोक्त दी गई मूल दस्तावेज निश्चयात्मक अनुबंध विलेख प्राप्त होती है, तो कृप्या सूचित करने की कृपा करेंगें। सो सूचना जानें।

दिनांक- 25/06/2025

श्रीमती जिया कुकरेजा पति- श्री प्रकाश कुकरेजा
मकान नं. 93, गली नं.- 4. सिंधी धर्म शाला के पास, तेलीबांधा, रायपुर. छ.ग.
संपर्क- 7000692091

न्यायालय तहसीलदार तहसील धरसींवा जिला-रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.मा.क्र./अ-6(अ) वर्ष 2024-25 धरसींवा, दिनांक 06/02/2025, ग्राम गुमा प.ह.नं. 32 रा.नि.मं. रायपुर-19 धनेली तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक टोपराम साहू पिता स्व. रतनलाल साहू निवासी ग्राम गुमा, तहसील धरसीवा, जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा अभिलेख सुधार बाबत आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम गुमा प.ह.न. 32 रा.नि.म. रायपुर-19 धनेली, तहसील धरसीवा जिला रायपुर में स्थित भूमि ख.न. 39/2 रकबा 0.464 हे. भूमि आवेदक की माता श्रीमती सोनसीर बाई पति रतनलाल साहू के स्वामित्व एवं अधिपत्य कृषि भूमि स्थित है। आवेदक की माता के द्वारा भूखन वगैरह से तबादलानामा दिनांक 29.10.2004 के माध्यम से प्राप्त कर परिवार संहित दाखिल काबिज थी। उक्त संपत्ति की तबादलानामा दिनांक 29.10.2004 के माध्यम से प्राप्त करने के पश्चात आवेदक की माता श्रीमती सोनसीर बाई पति रतनलाल साहू का नाम राजस्व अभिलेखो में वर्ष 2015-16 तक दर्ज था। आवेदक की माता श्रीमती सोनसीर बाई की मृत्यु वर्ष 2005 को हो चुकी है, जिसके पश्चात आवेदक के द्वारा वारिसान की हक से उक्त सपंत्ति का फौती नामांतरण हेतु दस्तावेज की आवश्यक्ता हुयी तब ज्ञात हुआ कि वर्ष 2016-17 से त्रुटिवश आवेदक की माता श्रीमती सोनसीर का नाम विलोपित हो गया है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि के अभिलेख में आवेदक की माता सोनसीर बाई पति रतनलाल साहू का नाम दर्ज कर अभिलेख सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत त्रुटि सुधार बाबत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा /आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 30/06/2025 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(मुहर) तहसीलदार
धरसींवा

ईश्तहार/आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार वसीम मेमन पिता श्री नूर मेमन निवासी म.नं. 170, वार्ड क्र. 21 बाजार पारा जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा भूमिस्वामी मोहम्मद अरशद खान पिता श्री अब्दुल जब्बार खान, निवासी तात्यापारा चौक जनता किराया भंडार के पीछ मस्जिद के पास नयापारा रायपुर तह. व जिला रायपुर छ.ग. भूमि ग्राम मठपुरैना, प.ह.नं. 105/61, रा.नि.मं. रायपुर 14 बोरियाखुर्द रायपुर छ.ग. स्थित खसरा नं. 243/1 रकबा 8000 वर्गफुट भूमि में से 25x40=1000 वर्गफूट भूमि जिसकी चतुर्सीमा उत्तर में ख.नं. 247/15 शेख मस्तान की भूमि, दक्षिण में ख.नं. 242 की भूमि, पूर्व में ख.नं. 244 की भूमि, पश्चिम में 243/2 कवल सिंग वगै की भूमि है। उक्त भूमि को मेरे पक्षकार के पास विक्रय करने का पक्का सौदा कर विक्रय कर ब्याना राशि प्राप्त कर रजिस्ट्री कराने का करार किये हैं। विक्रय की शेष राशि विक्रेतागण रजिस्ट्री के समय प्राप्त करेगा।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईशतहार प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं, बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा और उक्त ख.नं. की भूमि को अपने नाम रजिस्ट्री कराने हेतु मेरा पक्षकार स्वतंत्र रहेगा।

स्थान- बेमेतरा
दिनांक 24/06/2025

लालबहादूर शर्मा(अधिवक्ता)
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला - रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक /........../ वाचक/तह / 2025
मंदिर हसौद, दिनांक 12/06/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक काजल मण्डल पति निरंजन मंडल, निवासी- माना कैम्प, माना तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम चीचा, प.ह.नं.- 23, रा. नि. मं. पलौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 177 रकबा 0.19 हे. भूमि जो वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है, जिसका मूल ऋण पुस्तिका पूर्व मे प्राप्त हुआ था, जो असावधानिपूर्वक कही गुम हो गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के डुप्लिकेट ऋण पुस्तिका जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 27/06/2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

(मुहर) तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

//आम सूचना //

(वाके मौजा ग्राम तेलीबांधा मौजा- प्लॉट क्र. 143,सेक्टर-1 गीतांजलि नगर (अवन्ति विहार) रायपुर प.ह.नं.64 रा.नि.मं. रायपुर-9 तेलीबांधा तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 317/3 (खसरा आई डी 126239641,नामांतरण क्र. 4407251/130524/14296 आदेश दिनांक 24/04/2024) रकबा 2400 वर्गफुट मकान/ भूमि के संबंध में)

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता श्री राजशेखर मिश्रा, निवासी-143,सेक्टर-1,वार्ड नं. 28,तेलीबांधा रायपुर तह./जिला-रायपुर (छ.ग.) श्री रूप शेखर मिश्रा पिता-स्व. श्री लक्ष्मीकांत मिश्रा निवासी-33/ए, दिव्य कॉलोनी अमलीडीह रायपुर तह./जिला-रायपुर (छ.ग.) एवं श्रीमति संगीता अवस्थी पति-श्री प्रमोद कुमार निवासी-बिलेकाहल्ली बैंगलोर (कर्नाटक) के के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि वाके मौजा ग्राम तेलीबांधा मौजा- प्लॉट क्र. 143, सेक्टर-1 गीतांजलि नगर(अवन्ति विहार) रायपुर प.ह.नं.64 रा.नि.मं. रायपुर-9 तेलीबांधा तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. 317/3 (Document Id - 20240610440700955) के भूमि/मकान को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामा के निष्पादन के समय किए जाने का इकरारनामा संपादित किया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्धशासकीय, अशासकीय, बैंक,बीमा वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण, निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है ,तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी उजर आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगत मय दस्तावेज़ के साथ प्रस्तुत करें,अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और वह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा।

सो सूचना जाने।

Vijay Ras Bihari Dash
Advocate
Add: J-78 Sec-2, Shankar Nagar
Raipur (C.G.) 492007
Mo.No: 9425506619

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

छग की सुख शांति के लिए की पूजा-अर्चना

रायपुर। हिंदू पंचांग के अनुसार बुधवार को आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि है। इस अवसर पर श्री स्वामी नारायण मंदिर में श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत राजेश शर्मा और दूधाधारी मठ के महंत राम सुंदर दास द्वारा छत्तीसगढ़ की सुख-शांति, समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की गई। इस पूजा कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग शामिल हुए।

निधन

प्रकाश कुमार बक्शी

रायपुर। अनुपम नगर निवासी प्रकाश कुमार बक्शी (72) का 24 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे अश्विन बक्शी और अनामिका के पिता थे।

राजेश पांडे

रायपुर। लक्ष्मीनगर निवासी राजेश पांडे महासमुंद वाले (57) का 25 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 जून को सुबह 11 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट में किया जाएगा। वे राजेश पांडे, शशिकला पांडे के पुत्र और यमुनेश पांडे के पति तथा यशस्वी और राजसी के पिता थे।

परमेश्वरी मध्यानी

रायपुर। प्रियदर्शिनी नगर निवासी परमेश्वरी मध्यानी (75) का 25 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 जून को सुबह 11 बजे न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सेवक मध्यानी और प्रेम प्रकाश मध्यानी की माता थी।

मोहन लाल शाह

रायपुर। समता कॉलोनी निवासी मोहन लाल शाह (83) का 24 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 जून को मारवाड़ी श्मशान में किया गया। वे मूलचंद शाह के बड़े भाई एवं केतन शाह के ताऊ थे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -3, तहसील व जिला रायपुर छत्तीसगढ़

:: आम सूचना ::

दिनांक 17.06.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर-3 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक मनीष कुमार वर्मा पिता रामेश्वर प्रसाद वर्मा निवासी टाटीबंध रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर-3 तहसील व जिला रायपुर स्थित खसरा नंबर 166/88, 167/13 रकबा क्रमशः 0.0230 हे., 0.0110 हे. भूमि सीमांकन हेतु हमारे द्वारा दिनांक 03/07/2025 को समय 12.00 बजे पश्चात से किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर खसरा नंबरों के संबंध में जो भी दावा या आपत्ति हो तो समक्ष में प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सो सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा
तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

मूल निश्चयात्मक अनुबंध विलेख के गुम होने की सूचना

एतद् द्वारा आम आदमी को सूचित करना चाहती हूँ, कि हम क्रेतागण श्रीमती जिया कुकरेजा पति- श्री प्रकाश कुकरेजा पता- म.नं. 93, गली नं.4, सिंधी धर्मशाला के पास, तेलीबांधा, जिला-रायपुर छ.ग. व श्री देवेश तलरेजा पिता श्री राजेश तलरेजा पता- म.नं. 13, भृगु गली, बजरंग वार्ड, जिला-भाटापारा बलौदा बाजार, छ.ग. ने विक्रेता श्री रेणुका रमेश बुधवानी पति-श्री रमेश बुधवानी पता- चोपड़े भवन के पास, सुतालपुरा, खामगांव, बुलढाना, महाराष्ट्र, के स्वामित्व व अधिपत्य का एक भूखण्ड जिसका भूखण्ड क्रमांक डी-99 रकबा 297.50 वर्गमीटर याने कि 3202 वर्गफीट, सेक्टर-12, नगर विकास योजना क्रमांक 4 कमल विहार खसरा नं. 401 एवं 425 का भाग, वाके मौजा ग्राम- देवपुरी, प.ह.नं. 114/52, तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. में स्थित भूखण्ड को दिनांक 29/03/2022 को क्रय की गई पूर्व में भूखण्ड मूल स्वामीगण 1. श्रीमती सीता बंजारे पति स्व.पन्नालाल बंजारे, 2. वैशानी बंजारे 3. आयुष बंजारे 4. तावेश बंजारे 5. विनेश बंजारे (पिसरान) सभी के पिता स्व. पन्नालाल बंजारे, सभी के पता ग्राम- मुर्रा, तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग, छ.ग. 6. श्री तोषण बंजारे पिता स्व. शिवचरण बंजारे पता-फिंगेश्वर जिला गरियाबंद 7. श्री पीलूराम बंजारे पिता स्व. शिव बंजारे पता ग्राम- देवपुरी, रायपुर, 8. राजबाई बंजारे पिता-स्व. शिवचरण बंजारे पता- ग्राम- मुमडीलेवा, राजनांदगांव, 9. सुधाबाई बंजारे पिता स्व. शिवचरण बंजारे पता- टिकरापारा, रायपुर, 10. रीतन बाई बंजारे पिता स्व. शिव बंजारे, पता- ग्राम देवपुरी, रायपुर, 11. रामेश्वरी बाई बंजारे पिता- स्व. शिव चरण बंजारे पता- शहीद हमीद चौक, रायपुर, 12. मीनू बाई बंजारे पिता- स्व. शिव चरण बंजारे निवासी- नूतन स्कूल के पास, टिकरापारा, रायपुर, छ.ग. सभी के द्वारा मुख्तार आम श्री हरीश साधवानी पिता-श्री श्यामलाल साधवानी, पता- डॉ. रावलानी नर्सिंग होम के बाजू गली, श्याम नगर, तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. ने रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा- मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर के मध्य उपरोक्त भूखण्ड का एक निश्चयात्मक अनुबंध विलेख का निष्पादन दिनांक 07/05/2016 को किया गया था, जिसका पंजीयन कार्यालय-उप पंजीयक रायपुर छ.ग. में पुस्तक क्रमांक एडी- 1 ग्रंथ क्रमांक 70560 के पृष्ठ क्रमांक 70 से 79 पर दस्तावेज क्रमांक 695 क देकर है। तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति भूखण्ड की मूल प्रति मेरे (श्रीमती जिया कुकरेजा) द्वारा दिनांक 18/06/2025 को एक थैले में डालकर अपनी स्कूटी में रखकर किसी काम से शाम को लगभग 6 बजे स्थान तेलीबांधा से टिकरापारा रायपुर की ओर जाते समय मूल दस्तावेज गुम/खो गई हैं, जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना- टिकरापारा रायपुर छ.ग. में दर्ज है। व जिस किसी भी सज्जन व्यक्ति को उपरोक्त दी गई मूल दस्तावेज निश्चयात्मक अनुबंध विलेख प्राप्त होती है, तो कृप्या सूचित करने की कृपा करेंगें। सो सूचना जानें।

दिनांक- 25/06/2025

श्रीमती जिया कुकरेजा पति- श्री प्रकाश कुकरेजा
मकान नं. 93, गली नं.- 4. सिंधी धर्म शाला के पास, तेलीबांधा, रायपुर. छ.ग.
संपर्क- 7000692091

शुक्रवार को रथ यात्रा, एक दिन पहले पुरी जाने वाली सभी ट्रेनों में नो रूम की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जगन्नाथ पुरी में शुक्रवार को होने वाली रथयात्रा में शामिल होने जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ से वहां जाने वाली ट्रेनों में एक दिन पहले नो रूम की स्थिति बन गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा गोंदिया-खुरदा रोड के बीच चलाई जाने विशेष ट्रेन फुल हो चुकी है और नियमित संचालित होने वाली ट्रेनों में भी कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल है।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा विश्वस्तर पर प्रसिद्ध है और इस अवसर पर वहां लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। 27 जून शुक्रवार को होने वाले रथयात्रा में शामिल होने लोगों के वहां पहुंचने का दौर जारी है और एक दिन पहले रायपुर से होकर गुजरने वाले ट्रेनों में

रथ यात्रा स्पेशल सहित पांच ट्रेनें श्रद्धालुओं से ठसाठस

खास बातें

- रायपुर से होकर गुजरने वाले ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना तो दूर, पैर रखने की जगह नहीं

कन्फर्म टिकट मिलना तो दूर, पैर रखने की जगह नहीं है। विभिन्न शहरों से रायपुर होकर गुरुवार को चार ट्रेनें पुरी जाती हैं। इसके अलावा रथयात्रा स्पेशल का संचालन में भी इसी दिन से प्रारंभ होगा। गोंदिया-खुरदा-गोंदिया के बीच संचालित होने वाली विशेष ट्रेन की सुविधा 26 जून को गोंदिया से खुर्दा रोड जाने वाली गाड़ी लगभग पूर्णता भर गई है। इसके बाद 28 जून को सभी श्रेणियां में मिलाकर 327 सीटें, 30 जून को सभी श्रेणियां में मिलाकर 387 सीटें, 2 जुलाई को सभी श्रेणी की 416, 5 जुलाई को 396 एवं 7 जुलाई को सभी 442 सीटें उपलब्ध है। गाड़ी संख्या 08893 गोंदिया खुरदा रोड रथ यात्रा स्पेशल 26, 28, 30 जून एवं 2 और 5 जुलाई को गोंदिया से 13:30 बजे रवाना होकर डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग होते हुए शाम 5 बजे रायपुर पहुंचेगी। वापसी के दौरान इसका स्टापेज रात्रि 1 बजे रायपुर होगा।

नागरिक आपूर्ति निगम एवं ट्रांसपोर्ट एजेंसी के कारण राशन कार्ड धारक हो रहे परेशान

गाड़ियों का टोटा, सप्लाई धीमी, कहीं स्टॉक नहीं, कहीं लग रही सड़क तक कतार

लाइव रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तीन माह के एक साथ चावल वितरण ने कार्ड धारकों से लेकर राशन दुकान संचालकों को भी खासा परेशान किया हुआ है।

तीन माह का चावल एक महीने में बांटे जाने का आदेश तो जारी कर दिया गया है, लेकिन राशन दुकानों में तीन माह का भंडारण करने की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण अनेकों दुकानों में जहां स्टॉक नहीं होने से हितग्राहियों को बैरंग लौटना पड़ रहा है, वहीं कहीं पर एपीएल चावल का स्टॉक नहीं है, तो कहीं स्टॉक होने पर उन दुकानों में तीन माह की एंट्री ई-पॉश मशीन में किए जाने से उन दुकानों के बाहर सड़क तक लंबी कतार लग रही है। इससे हितग्राहियों के साथ दुकान संचालकों को भी परेशान होना पड़ रहा है।

हरिभूमि की टीम ने बुधवार को शहर के विभिन्न इलाकों में राशन दुकानों में जाकर पड़ताल की। इस पड़ताल से पता चला कि हितग्राही और दुकान संचालकों की परेशानी का कारण खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम (नान) और उससे अनुबंधित ट्रांसपोर्ट एजेंसी है, जिसके द्वारा खपत और मांग के अनुसार राशन दुकानों में चावल की सप्लाई एवं भंडारण नहीं किया जा रहा है।

राशन दुकानों की स्थिति

केस 1

अमलीडीह स्थित दुकान आईडी 441001280 में स्टॉक ही नहीं था। इस कारण दुकान में राशन लेने आने वाले हितग्राही बैरंग लौट रहे थे। इस दुकान के संचालक ने बताया कि दो दिन हो गया मांग किए हुए, लेकिन चावल का स्टॉक अब तक नहीं पहुंचा है।

केस 2

शासकीय स्कूल के सामने अमलीडीह स्थित दुकान आईडी 441001184 में सुबह 11 बजे तक ताला लगा हुआ था। दुकान के बाहर राशन लेने के लिए लंबी कतार लगी हुई थी। दुकान के कर्मचारी संतोष ने बताया कि स्टॉक एक दिन पहले पहुंचा है। दुकान में भीड़ नहीं लगे, इसलिए सभी हितग्राहियों के कार्ड जमा कराए जा रहे हैं। नाम पुकारकर कार्ड धारक को राशन दिया जाएगा।

केस 3

आमापारा स्थित दुकान आईडी 1052 में एपीएल और बीपीएल दोनों चावल खत्म हो गए थे, जिसके कारण इस दुकान में पहुंचने वाले हितग्राही बैरंग लोट रहे थे। दुकान कर्मी ने बताया कि ऑर्डर दिए तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक चावल पहुंचा नहीं है।

तीन माह का चावल वितरण के लिए एक्स्ट्रा गाड़ियों का इंतजाम नहीं

बताया जा रहा है कि तीन महीने का एक साथ चावल वितरण के लिए एजेंसियों ने अतिरिक्त गाड़ियों का कोई इंतजाम नहीं किया है। यही कारण है कि दुकानों में सप्लाई बहुत धीमी है। हालांकि सूत्रों से यह भी पता चला है कि ट्रांसपोर्ट एजेंसियां अनुबंध के अनुसार एक माह में जितनी गाड़ियां मुहैया करा रही थीं, उतनी ही तीन माह के चावल वितरण के लिए करा रही हैं।

गोदामों में बीपीएल-एपीएल चावल का भरपूर स्टॉक, फिर भी वितरण में देर

रायपुर जिले में सात सौ से अधिक उचित मूल्य की दुकानें हैं। इन दुकानों में नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों से चावल, शक्कर एवं नमक की सप्लाई की जाती है। तीन माह का चावल वितरण करने के आदेश के बाद इन सभी गोदामों में भरपूर मात्रा में एपीएल व बीपीएल चावल का भंडारण किया गया है, ताकि खपत और मांग के अनुसार सभी दुकानों में चावल की सप्लाई की जा सके, लेकिन माह शुरू होने के बाद से अब तक निगम दुकानों में समय पर चावल का भंडारण कराने में विफल रहा है।

हितग्राहियों की बढ़ी परेशानी

केस 1

लालपुर निवासी मीना ने कहा कि उसके क्षेत्र की दुकानों में राशन नहीं मिलने पर वह अमलीडीह आई थी, लेकिन यहां लंबी लाइन लगी हुई।

केस 2

अमलीडीह दुकान 441001184 में न्यू राजेंद्र नगर निवासी रेशम कनौजे राशन लेने पहुंची थी। उसने बताया कि वह आधे घंटे से दुकान खुलने का इंतजार कर रही है। अब जाकर उसका राशन कार्ड जमा किया है। भीड़ को देखते हुए नंबर आने में कई घंटे लगेंगे।

ट्रांसपोर्ट एजेंसी के पास गाड़ियों का टोटा

राशन दुकानों में खाद्यान्न की सप्लाई के लिए निगम ने ट्रांसपोर्ट एजेंसियों के साथ अनुबंध किया हुआ है। इनमें होरा, तन्नू सहित अन्य एजेंसी शामिल हैं। दुकान संचालकों की मांग पर टोकन जारी होते ही इन एजेंसियों को गाड़ियों के माध्यम से खाद्यान्न की सप्लाई राशन दुकानों में करनी होती है। इसके लिए एजेंसियों का अलग-अलग क्षेत्र भी बंधा हुआ है। इसके बाद भी एजेंसियां समय पर गाड़ियां उपलब्ध नहीं करा पातीं, जिसके कारण हर महीने कई दुकानों को माह खत्म होने के अंतिम दिन भी चावल मिल नहीं पाता, जिससे कई हितग्राही भी राशन लेने से वंचित रह जाते हैं।

निगम आयुक्त ने जोन कमिश्नर अधिकारियों को दी हिदायत, सफाई देखने सुबह फील्ड पर निकलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निगम आयुक्त विश्वदीप ने बुधवार को महात्मा गांधी सदन के डाटा सेंटर में नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। आयुक्त ने कहा कि शहर की सफाई सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 26 जून से सुबह 6:30 बजे से वे सफाई के निरीक्षण पर निकलें। सभी अधिकारी वार्डों में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच करने उनकी गिनती करवायें और सभी ट्रांसफर स्टेशन का प्रतिदिन निरीक्षण करें। ट्रांसफर स्टेशन में आने वाली गाड़ियों की मानिटरिंग करेंगे। विशेषकर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में लगी गाड़ियों की मानिटरिंग करेंगे। सभी ट्रांसफर स्टेशनों में प्रभारी अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश निगम आयुक्त ने दिए।

- सफाई कर्मचारियों की कराएं गिनती, कचरा गाड़ियों की हो मानिटरिंग

निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सफाई कार्य और नगर निवेश के कार्यों में कितना चालान किया गया है, प्रतिदिन उसकी रिपोर्ट बनाकर दें। शहर में कभी भी मुक्कड़ नहीं मिलना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग और नगर निवेश के अधिकारियों को प्रतिदिन डेशबोर्ड में करवाये कार्य की एंट्री करवाने के निर्देश प्रतिदिन की कार्यवाही के संबंध में दिए हैं।

निगम आयुक्त विश्वदीप ने बैठक में अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि जीई रोड में विज्ञापन, होर्डिंग्स नहीं लगने दिया जाए। एसओएस के उल्लंघन पर प्रतिदिन प्रकरण तैयार करने के लिए कहा है। शहर के वाणिज्यिक क्षेत्रों में वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही निदान 1100 और कलेक्टर कॉल सेंटर का समुचित प्रचार-प्रसार करने निर्देशित किया है, ताकि समय रहते आम जनता की शिकायतों का निराकरण किया जा सके।

ये रहे उपस्थित

बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, यूएस अग्रवाल, पंकज शर्मा, विनोद पांडे, कृष्णा खटिक, उपायुक्त अंजलि शर्मा, जसदेव बाबरा, प्रीति सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पेज 13 के शेष ...

माह भर पहले हत्या ....

होने के साथ जमीन, मकान खरीदी-बिक्री करने का कार्य करता है। वर्ष 2015-16 में खरोरा निवासी चंद्रप्रकाश कुर्रे को किशोर ने अपना बजरंगनगर स्थित मकान 50 लाख रुपए में बेचा था। मकान बेचने के बाद किशोर ने चंद्रप्रकाश को कब्जा देने के बजाय उसके खिलाफ कोर्ट में आवेदन दे दिया था। इस दौरान अंकित, किशोर के संपर्क में आया और अपना परिचय वकील के रूप में दिया। साथ ही किशोर को भरोसा दिलाया कि वह हाईकोर्ट में केस दायर कर मकान वापस उसे दिला देगा। इसके एवज में अंकित, किशोर को झांसा देकर रुपए लेता रहा।

तेलीबांधा तालाब में ....

साफ करने निगम ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तो लगवाया, पर इसके रखरखाव और निगरानी पर निगम के अधिकारियों का ध्यान नहीं होने से तालाब में मछलियां मरने लगी हैं। सूत्रों के मुताबिक एसटीपी के संचालन व संधारण के लिए नागपुर की एजेंसी को ठेका दिया गया है। इसके बाद भी ऐसी स्थिति समझ से परे है, जबकि नगर निगम ने तेलीबांधा तालाब की सुंदरता निखारने और लोगों को आकर्षित करने वहां रीक्रियेशन जोन विकसित करने का काम बखूबी कराया है। इसके चलते तेलीबांधा तालाब के रीक्रियेशन जोन सहित परिक्रमा पथ में बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ खुली हवा में सांस लेने परिवार के साथ यहां पहुंचते हैं। यही नहीं, बच्चों के लिए आकर्षक झूले सहित अन्य तरह के विविध मनोरंजक प्रयोजन भी उपलब्ध कराये गये हैं। इस ओर नगर निगम के संबंधित जोन व निगम मुख्यालय में बैठे आला अफसरों का ध्यान नहीं जा रहा है। मछलियों के मरने से तालाब के पानी से बदबू उठने लगी है। इसे लेकर मरीन ड्राइव में आने-जाने वाले लोग भी शिकायत करने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक पखवाड़ेभर से यह स्थिति बनी हुई है।

माना में तेज ....

देर तक तेज बारिश होती रही, मगर तेलीबांधा से आगे यह बेअसर होकर रह गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि गुरुवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। हालांकि भारी वर्षा का क्षेत्र सरगुजा और बस्तर संभाग रहेगा। अभी एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश तथा दूसरा उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे तटीय उत्तर उड़ीसा-तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर स्थित है।

किराये की कोख ...

की अनुमति देने के लिए विभिन्न अस्पतालों के माध्यम से आवेदन आते हैं। इसमें माता-पिता के साथ सरोगेट मदर के चिकित्सकीय रिपोर्ट के साथ अन्य जानकारी, शपथपत्र सहित अन्य दस्तावेजों की फाइल कमेटी के समक्ष रखी जाती है। कमेटी में विभिन्न विषय विशेषज्ञ होते हैं, जो फाइलों के अध्ययन के बाद सरोगेसी की प्रक्रिया पूरी करने वाले सेंटर का निरीक्षण कर ओके रिपोर्ट देते हैं।

शिक्षकों के किसी ...

अचानक सूचना दी गई। उन्हें दावा-आपत्ति का कोई अवसर नहीं दिया गया। रायपुर जिले में प्राथमिक शालाओं में उस संस्था के वरिष्ठ सहायक शिक्षकों को अतिशेष चिन्हांकित कर काउंसलिंग में बुलाया गया। कनिष्ठ सहायक शिक्षकों को उन्हीं शालाओं में यथावत रखा गया है।

अधिकतर स्थानों ....

चिन्हांकित कर कार्यवाही नहीं होने एवं त्रुटि में सुधार नहीं होने पर सभी ब्लॉक मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

महादेवघाट मुक्तिधाम में ....

एवज में 70 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। नगर निगम ने राजधानी के महादेवघाट, मारवाड़ी श्मसान गृह और देवेंद्र नगर स्थित मुक्तिधाम में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने नवाचार अपनाया है। इससे अंतिम संस्कार के दौरान लकड़ी और कंडे से निकलने वाले दमघोटू धुंआ से लोगों को राहत मिलेगी। यही नहीं, मुक्तिधाम के आसपास वायु की गुणवत्ता में सुधार होगा। महादेवघाट स्थित श्मशानगृह से इसकी शुरुआत की जा रही है। इसमें रायपुर की सालासार टेक्नो एजेंसी एजेंसी 3 माह में यह कार्य पूरा करेगी। श्मशानघाट में शवदाह के दौरान निकलने वाले धुंए को चिमनी और स्क्रबर की सहायता से फिल्टर कर बाहर वायुमंडल में छोड़ा जाएगा।

एक साल का मेंटनेंस ....

चिमनी की स्थापना कर वायु प्रदूषण पर नियंत्रयण करने पहल की जायेगी।

भीड़ वाली तंग गलियों में अब ई-रिक्शा से ट्रैफिक पेट्रोलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के भीड़ भरे बाजार में ट्रैफिक कंट्रोल करने ट्रैफिक पुलिस अब ई-रिक्शा से पेट्रोलिंग करेगी। ट्रैफिक पुलिस की ई-पेट्रोलिंग को बुधवार को कलेक्टर तथा एसएसपी ने हरीझंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कलेक्टर तथा एसएसपी ने कलेक्टोरेट परिसर में पेट्रोलिंग ई-रिक्शा चलाते हुए लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने का संदेश दिया।

- ई-रिक्शा में दो ट्रैफिक जवानों की लगाई जाएगी इयूटी

ई-रिक्शा से पेट्रोलिंग करने ट्रैफिक पुलिस को जीके इलेक्ट्रिक ने गिफ्ट के रूप में एक ई-रिक्शा दिया है। ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के अनुसार पेट्रोलिंग के लिए मिले ई-रिक्शा से शहर के भीड़ वाले इलाके जहां चारपहिया पेट्रोलिंग गाड़ियां नहीं पहुंच पातीं, ऐसी जगहों में पेट्रोलिंग ई-रिक्शा के माध्यम से ट्रैफिक कंट्रोल किया जाएगा। पेट्रोलिंग ई-रिक्शा के माध्यम से स्कूल, कालेज जाकर स्कूली छात्रों को ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी दी जाएगी। ई-रिक्शा के चारों तरफ यातायात से संबंधित जानकारी देने रिक्शा के चारों तरफ स्टीकर लगाया गया है।

कम लागत में ज्यादा काम : ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के अनुसार भीड़ वाले ऐसे बाजार जहां चारपहिया से जाना संभव नहीं होता, वहां ट्रैफिक पुलिस पैदल गस्त कर या बाइक से पेट्रोलिंग कर ट्रैफिक व्यवस्था ठीक कराने का काम करती है। ई-रिक्शा से पेट्रोलिंग करने में ट्रैफिक पुलिस पर डीजल के साथ पेट्रोल का अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा।

ई-पेट्रोलिंग में दो आरक्षकों की तैनाती

पेट्रोलिंग ई-रिक्शा में दो आरक्षकों की तैनाती की जाएगी। एक आरक्षक ई-रिक्शा चलाएगा, दूसरा आरक्षक लोगों को अपने वाहन व्यवस्थित पार्क करने अनाउंस करने के साथ ही नो पार्किंग में वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। इसके साथ ही लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने ट्रैफिक नियमों की जानकारी देगा।

प्रयोग सफल होने पर बढ़ाया जाएगा ई-रिक्शा

ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के अनुसार ट्रैफिक कंट्रोल करने प्रयोग के तौर पर ई-रिक्शा के माध्यम से पेट्रोलिंग करने व्यवस्था की गई है। प्रयोग सफल होने पर ट्रैफिक पुलिस जनसहयोग से पेट्रोलिंग के लिए और ई-रिक्शा की वव्स्था करेगी। इसके साथ ही विभागीय मद से और पेट्रोलिंग ई-रिक्शा खरीदा जाएगा।

ईश्तहार/आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार वसीम मेमन पिता श्री नूर मेमन निवासी म.नं. 170, वार्ड क्र. 21 बाजार पारा जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा भूमिस्वामी मोहम्मद अरशद खान पिता श्री अब्दुल जब्बार खान, निवासी तात्यापारा चौक जनता किराया भंडार के पीछ मस्जिद के पास नयापारा रायपुर तह. व जिला रायपुर छ.ग. भूमि ग्राम मठपुरैना, प.ह.नं. 105/61, रा.नि.मं. रायपुर 14 बोरियाखुर्द रायपुर छ.ग. स्थित खसरा नं. 243/1 रकबा 8000 वर्गफुट भूमि में से 25x40=1000 वर्गफूट भूमि जिसकी चतुर्सीमा उत्तर में ख.नं. 247/15 शेख मस्तान की भूमि, दक्षिण में ख.नं. 242 की भूमि, पूर्व में ख.नं. 244 की भूमि, पश्चिम में 243/2 कवल सिंग वगै की भूमि है। उक्त भूमि को मेरे पक्षकार के पास विक्रय करने का पक्का सौदा कर विक्रय कर ब्याना राशि प्राप्त कर रजिस्ट्री कराने का करार किये हैं। विक्रय की शेष राशि विक्रेतागण रजिस्ट्री के समय प्राप्त करेगा।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं, बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा और उक्त ख.नं. की भूमि को अपने नाम रजिस्ट्री कराने हेतु मेरा पक्षकार स्वतंत्र रहेगा।

स्थान- बेमेतरा
दिनांक 24/06/2025

लालबहादूर शर्मा(अधिवक्ता)
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला - रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक /........../ वाचक/तह / 2025
मंदिर हसौद, दिनांक 12/06/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक काजल मण्डल पति निरंजन मंडल, निवासी- माना कैम्प, माना तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम चीचा, प.ह.नं.- 23, रा. नि. मं. पलौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 177 रकबा 0.19 हे. भूमि जो वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है, जिसका मूल ऋण पुस्तिका पूर्व मे प्राप्त हुआ था, जो असावधानिपूर्वक कही गुम हो गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के डुप्लिकेट ऋण पुस्तिका जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 27/06/2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

//आम सूचना//

(वाके मौज़ा ग्राम तेलीबांधा मौजा- प्लॉट क्र. 143,सेक्टर-1 गीतांजलि नगर (अवन्ति विहार) रायपुर प.ह.नं.64 रा.नि.मं. रायपुर-9 तेलीबांधा तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 317/3 (खसरा आई डी 126239641,नामांतरण क्र. 4407251/130524/14296 आदेश दिनांक 24/04/2024) रकबा 2400 वर्गफुट मकान/ भूमि के संबंध में)

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता श्री राजशेखर मिश्रा, निवासी-143,सेक्टर-1,वार्ड नं. 28,तेलीबांधा रायपुर तह./जिला-रायपुर (छ.ग.) श्री रूप शेखर मिश्रा पिता- स्व. श्री लक्ष्मीकांत मिश्रा निवासी-33/ए, दिव्य कॉलोनी अमलीडीह रायपुर तह./जिला-रायपुर (छ.ग.) एवं श्रीमति संगीता अवस्थी पति-श्री प्रमोद कुमार निवासी- बिलेकाहल्ली बैंगलोर (कर्नाटक) के के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि वाके मौज़ा ग्राम तेलीबांधा मौजा- प्लॉट क्र. 143, सेक्टर-1 गीतांजलि नगर(अवन्ति विहार) रायपुर प.ह.नं.64 रा.नि.मं. रायपुर-9 तेलीबांधा तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. 317/3 (Document Id - 20240610440700955) के भूमि/मकान को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामा के निष्पादन के समय किए जाने का इकरारनामा संपादित किया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्धशासकीय, अशासकीय, बैंक,बीमा वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण, निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है ,तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी उजर आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगत मय दस्तावेज़ के साथ प्रस्तुत करें,अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और वह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा।

सो सूचना जाने।

Vijay Ras Bihari Dash
Advocate
Add: J-78 Sec-2, Shankar Nagar
Raipur (C.G.) 492007
Mo.No: 9425506619

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
NMH Nirakar Multispeciality Hospital
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
24/7 Emergency Services
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

विश्व विटिलिगो दिवस पर निशुल्क दवा वितरण

रायपुर। विश्व विटिलिगो (सफेद दाग) दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला चिकित्सालय के चर्म रोग विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विटिलिगो मरीजों को निः शुल्क दवाइयाँ बाँटी गईं एवं अस्पताल के ओपीडी में पहुँचे सभी मरीजों में इस बीमारी के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. अदिति सिंह ने बताया कि इस बीमारी का इलाज दवाईयों, फोटो थेरेपी, सर्जरी, लेज़र इत्यादि द्वारा पूर्णतः संभव है। इससे पीड़ित लोगों से भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी एवं सिविल सर्जन डॉ. एसके भंडारी भी मौजूद थे।

युक्ति युक्तकरण में अनियमितता की शिकायत

रायपुर । शिक्षक साझा मंच के संचालक मंडल ने बुधवार को शिक्षा सचिव व डीपीआई से मुलाकात कर युक्ति युक्तकरण में अनियितता की शिकायत को लेकर ज्ञापन सौंपा तथा युक्ति युक्तकरण में गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों को चिन्हांकित कर त्रुटि में सुधार करने की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर शिक्षक साझा मंच के पदाधिकारियों ने धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। प्रदेशभर में शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया में विसंगतियों की ओर विभागीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराने शिक्षा साझा मंच के प्रदेश संचालक मनीष मिश्रा, वीरेंद्र दुबे, केदार जैन, संजय शर्मा, विकास राजपूत, जाकेश साहू, शंकर साहू, धरम दास बंजारे ने शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल

सफाई में टॉप शहर के स्वच्छता मॉडल को समझने व जानने का मिला मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त विश्वदीप सहित अन्य निगम अफसरों ने इंदौर भ्रमण किया। वहां वे सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का सख्ती से क्रियान्वयन और कठोर जुर्माने की व्यवस्था देखकर प्रभावित हुईं और इस व्यवस्था की महापौर ने खुलकर तारीफ की। इसके साथ ही कूड़ा अलग-अलग करने के लिए अपनाये जाने वाले स्वच्छता मॉडल की खूबियों से भी अवगत हुईं। वहां की स्वच्छता दीदियों और आम नागरिकों से संवाद कर सालिड वेस्ट प्रबंधन में जनभागीदारी को समझा।

दरअसल, देशभर के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में धाक जमाने वाले इंदौर शहर का स्वच्छता मॉडल प्रदेश के 14 नगर निगमों के महापौर, आयुक्त और संबंधित अधिकारी के लिए जिज्ञाशा का विषय बना है। ऐसे में छत्तीसगढ़ की संपूर्ण स्वच्छता मुहिम को बल देने राज्य शहरी विकास अभिकरण ने इंदौर निगम में प्रशिक्षण-सह कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें महापौर मीनल चौबे, निगम आयुक्त विश्वदीप एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए। महापौर मीनल चौबे ने बताया कि इंदौर जाकर हमने वहां बहुत कुछ समझा और सीखा है। इंदौर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर पूरी तरह मनाही है। इस बात का वहां सख्ती से क्रियान्वयन किया जा रहा है, साथ ही कठोर जुर्माना की व्यवस्था है। यह एक अच्छी बात है।

इस दौरे में रायपुर नगर निगम के अधीक्षण अभियंता यूके धर्लेद्र, जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू, सालिड वेस्ट मैनेजमेंट एक्सपर्ट प्रमित चोपड़ा भी शामिल हुए। साथ ही बिरगांव नगर निगम के महापौर नंदलाल देवांगन और युगल किशोर उर्वशा ने इंदौर के महापौर से भेंट कर जनसहभागिता आधारित स्वच्छता मॉडल पर चर्चा की।

खास खबर

महापौर ने डोर-टू डोर कचरा कलेक्शन प्रणाली भी देखी

महापौर और निगम कमिश्नर ने आईसीटी बेस्ड मानिटरिंग और स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से किए जाने वाले इंदौर शहर की डोर-टू डोर कचरा कलेक्शन प्रणाली भी देखी। कचरा अलग करने के लिए अपनाये जाने वाले स्वच्छता मॉडल के अलावा शिकायत निवारण एप, जीपीएस-ट्रैक्ड कचरा गाड़ी और वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन तथा जोन आधारित घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली का भी निरीक्षण किया। प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम के दौरान महापौर मीनल चौबे ने स्वच्छता मित्रों और वहां के आम नागरिकों से भी संवाद कर सालिड वेस्ट मैनेजमेंट में जनभागीदारी को समझा।

■ महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त विश्वदीप ने निगम अफसरों के साथ किया इंदौर भ्रमण

शिकायत निवारण एप के बारे में ली जानकारी

इंदौर शहर के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जाकर वहां की कार्यप्रणाली को भी समझा। साथ ही 311 शिकायत निवारण एप के बारे में संबंधित अधिकारी-कर्मचारी से जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने निगम आयुक्त विश्वदीप के साथ वहां ट्रांसफर स्टेशन, आरआरआर सेंटर, बायोगैस प्लांट और मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी का दौरा कर विकेंद्रित और कुशल अपशिष्ट प्रबंध प्रणाली को समझा। साथ ही इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव से भेंटकर स्वच्छता में जन सहभागिता और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका के बारे में जानकारी ली। ग्रीन बांड एवं यूजर चार्ज जैसे शहरी वित्त के नए मॉडल पर चर्चा की। महापौर मीनल चौबे ने इंदौर शहर के जीरो वेस्ट वार्ड और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा तरल अपशिष्ट के प्रसंस्करण और पुनः उपयोग की प्रक्रिया को विस्तार से समझा।

ट्रैक्टर के डबल केज व्हील से पक्की सड़कें हो रहीं बरबाद

■ प्रतिबंध लगाने की मांग, प्रशासन के अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून शुरू होने के साथ किसानों ने खेती की तैयारी शुरू कर दी है। छत्तीसगढ़ में धान की बुआई के लिए खेतों में भरे पानी को मथने के लिए ट्रैक्टर के दोनों बड़े पहिए को निकालकर उसके स्थान पर लोहे से बने केज व्हील लगाए जाते हैं। 40 इंच के केज व्हील ट्रैक्टर में लगाकर खेतों में उपयोग करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के डामर वाली सड़कों में तेज रफ्तार से चलने वाली केज व्हील से सड़क में 20 एमएम का डामर कट जाता है, इससे गड्ढा होने के कारण सड़कें खराब हो जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके कारण डामर रोड के अलावा कंक्रीट रोड में भी कटाव हो जाता है। सारंगढ़ जिले में कुछ क्षेत्रों में केज व्हील पर कार्रवाई की गई है।

बताया गया है कि छत्तीसगढ़ के महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, सारंगढ़, रायगढ़, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, सक्ति, बिलासपुर, गरियाबंद जिलों में केज व्हील से चलने वाले ट्रैक्टर देखे जा सकते हैं। यहां के किसान खरीफ सीजन में धान के खेतों में मिट्टी को मथाने के बाद थरहा लगाने का काम करते हैं। खेतों तक पहुंचने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के डामर और कंक्रीट सड़कों का इस्तेमाल किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में मई में भाजपा सरकार ने अधिकतर क्षेत्रों में सड़क निर्माण कराया था। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके कारण अधिकतर नई सड़कें खराब हो रही हैं।

कहीं धरना प्रदर्शन-कहीं निकाली मशाल रैली

प्रस्तावित नई शराब दुकान के विरोध में उतरे ग्रामीण, प्रदर्शन भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रस्तावित नई शराब दुकानों का विरोध शुरू हो गया है। इसके तहत बुधवार को ग्राम पंचायत खौली में धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमें सरपंच सहित पंचायत के अन्य सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। वहीं ग्राम दोंदेखुर्द के ग्रामीणों ने मशाल रैली निकालकर प्रस्तावित शराब दुकान खोले जाने के आदेश को निरस्त किए जाने की मांग की है।

आबकारी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सात नई शराब दुकान खोलने के लिए टेंडर जारी किया है। ये दुकानें ग्राम भैंसा, समोदा, टेमरी, खौली, पलोद, दोंदेखुर्द एवं नया रायपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में खोली जानी है, लेकिन कई ग्रामों में इन शराब दुकानों का विरोध किया जा रहा है, जिनमें ग्राम पंचायत खौली और दोदेंखुर्द में सबसे ज्यादा विरोध है। ग्राम खौली में सरपंच राजेंद्र टंडन के नेतृत्व में शराब दुकान का ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। इसके लिए गांव में धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमें जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर सहित ग्राम पंचायत के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। ग्राम खौली में इससे पहले भी शराब दुकान के विरोध में सरपंच सहित ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। यहां के सरपंच राजेंद्र टंडन ने क्षेत्र के तहसीलदार एवं थाना प्रभारी पर पूर्व में आरोप भी लगा चुके हैं, वे दोनों तहसील कार्यालय में जबरदस्ती बैठा कर सत्ता की ओर से दबाव बनाकर शराब दुकान खोलने के सहमति पत्र में हस्ताक्षर कराया था।

हरिभूमि सरोकार

आदेश निरस्त नहीं होने तक बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे पालक

ग्राम खौली के शासकीय स्कूल परिसर में धरना-प्रदर्शन में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के पालक भी शामिल हुए। इस दौरान सभी पालकों ने स्कूल के प्राचार्य को पत्र लिखे हैं, जिसमें शराब दुकान खोलने के आदेश को निरस्त नहीं किए जाने तक अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजने की बात लिखी है।

दोंदेखुर्द में महिलाओं ने निकाली मशाल रैली

ग्राम दोंदेखुर्द में भी नई शराब दुकान खुलेगी। सूत्रों के अनुसार इस गांव के सरपंच अशोक साहू ने शराब दुकान खोलने की सहमति दे दी है, जिसके बाद विभाग ने दुकान खोलने के लिए टेंडर जारी किया है। इधर दूसरी ओर गांव के लोग इस दुकान के विरोध में हैं। गांव की बड़ी संख्या में महिलाओं ने दुकान के विरोध में मशाल रैली निकाली। इस रैली में गांव के पुरुषों के अलावा आसपास के गांव के लोग भी शामिल होने पहुंचे थे।

ग्रामीणों ने कहा- बच्चों का भविष्य खराब होगा

शराब दुकान खुलने का विरोध कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि शराब दुकान खुलने से न केवल गांव में सामाजिक वातावरण खराब होगा, बल्कि बच्चों पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा, जिससे उनका भविष्य भी खराब होगा।

एप्लेसमेंट एजेंसी को ब्लैक लिस्टेड करने की मांग

बगैर होलोग्राम-मिलावटी शराब मामले में मुख्यमंत्री को पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ उच्च स्तरीय विभागीय जांच की भी मांग

राजधानी रायपुर के लालपुर शासकीय शराब दुकान में बगैर होलोग्राम और मिलावटी शराब बेचे जाने के मामले में प्लेसमेंट एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई कर उसे ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की गई है। जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने लालपुर के साथ जिले में अन्य कई शराब दुकानों में भी बगैर होलोग्राम और मिलावटी शराब की बिक्री होने की संभावना जताते हुए सभी दुकानों में उच्च स्तरीय विभागीय जांच कराए जाने की मांग की है।

कलेक्टर के माध्यम से सौंपा ज्ञापन

जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में उन्होंने राजधानी रायपुर के लालपुर कंपोजिट शराब दुकान में मिली बगैर होलोग्राम एवं मिलावटी शराब की बिक्री पर चिंता जताते हुए कहा है कि इससे शासन की छवि भी धूमिल हो रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सिर्फ उस क्षेत्र के जिला सहायक आबकारी अधिकारी को निलंबित किया गया हैं, जबकि इस मामले में उच्च स्तरीय विभागीय जांच होनी चाहिए, क्योंकि इसमें अन्य कई अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में प्लेसमेंट एजेंसी की भी संलिप्ता है, इसलिए उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उसका लाइसेंस निरस्त कर ब्लैक लिस्टेड किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राज्य एवं संभागीय उड़नदस्ता की टीम ने लालपुर शराब दुकान में छापा मारकर यहां से बगैर होलोग्राम की 34 पेटी गोवा स्पेशल व्हिस्की तथा 265 पेटी मिलावटी शराब बरामद की थी। इसके अलावा दुकान में शराब बिक्री की राशि में से 12 लाख 10 हजार 480 रुपए गायब मिले थे। विभाग ने इस मामले को गंभीर श्रेणी की अनियमितता मानते हुए इस क्षेत्र के सहायक जिला अधिकारी राजेंद्रनाथ तिवारी को घोर लापरवाही बरतने पर निलंबित करने की कार्रवाई की है।

बिजनेस साइट

वी वाय हॉस्पिटल में 'सांझा चूल्हा एवं रैन बसेरा' का उद्घाटन कल

रायपुर। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन पर्व और वी वाय हॉस्पिटल के स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर 'सांझा चूल्हा एवं रैन बसेरा' का उद्घाटन भूतपूर्व वरिष्ठ सांसद बसंत पांडा (ओडिशा) एवं पूज्य हितानंद महाराज (नारायणपुर आश्रम) के कर कमलों से शुक्रवार, 27 जून को प्रातः 10 बजे संपन्न होगा। इस आयोजन में वी वाय हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना, डॉ. विष्णु गुप्ता, डॉ. अनिल करनावट, डॉ. आनंद जोशी, डॉ. श्रीधर राव, डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. सुजाता राजिमवाले सहित पूरे मेडिकल स्टाफ और अन्य सहयोगी शामिल रहेंगे। यह कार्यक्रम केवल उद्घाटन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस अवसर पर अस्पताल द्वारा एक विशेष आभार समारोह भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें मरीजों, उनके परिजनों, स्वास्थ्यकर्मियों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया जाएगा।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में आज निशुल्क फाइब्रोस्कैन शिविर, 28 को एंडोस्कोपी की सुविधा

रायपुर। भाटागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में आज 26 जून को निशुल्क फाइब्रोस्कैन शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर विशेष रूप से उन मरीजों के लिए राहत लेकर आया है, जो लिवर संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही अस्पताल द्वारा आगामी 28 जून को पेट से संबंधित बीमारियों की पहचान के लिए निशुल्क एंडोस्कोपी शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में मरीजों को एंडोस्कोपी जांच के अलावा विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श का लाभ भी मिलेगा। इस शिविर में उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल की अनुभवी चिकित्सकों और विशेषज्ञों की टीम उपलब्ध रहेगी, जो लिवर और पेट से संबंधित जटिल समस्याओं का सटीक निदान और इलाज करती है।

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल में निःशुल्क कैंसर परामर्श शिविर 29 को

रायपुर। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को लेकर लोगों में समय रहते जागरूकता और जांच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल, यूनिट 1, दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका में 29 जून 2025 (रविवार) को निःशुल्क कैंसर परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस विशेष ओपीडी सेशन में नए मरीजों को परामर्श पूरी तरह निशुल्क दिया जाएगा। साथ ही, मैमोग्राफी और इनहाउस इन्वेस्टिगेशन पर 50% तक की छूट भी प्रदान की जाएगी। यह सुविधा विशेष रूप से महिलाओं में स्तन और गर्भाशय कैंसर की समय रहते पहचान और रोकथाम के लिए रखी गई है। हॉस्पिटल की क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. मौ रॉय और सर्जिकल डायरेक्टर डॉ. अर्पण चतुर्मोता ने जानकारी दी कि महिलाओं में कैंसर के कई शुरुआती संकेत ऐसे होते हैं जिन्हें नजरअंदाज किया जाना खतरनाक हो सकता है। समय पर जांच और स्क्रीनिंग से इन बीमारियों का इलाज संभव है।

स्वस्तिक सेल्स एंटरप्राइज़ेज में यामाहा एफजेडएस हाइब्रिड माइलेज चैलेंज

रायपुर। यामाहा के अधिकृत डीलर स्वस्तिक सेल्स एंटरप्राइज़ेज में 'यामाहा एफजेडएस हाइब्रिड माइलेज चैलेंज' का सफल आयोजन किया गया। इस रोमांचक प्रतियोगिता में शहर के यामाहा एफजेडएस हाइब्रिड बाइक मालिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बाइक की असली ईंधन क्षमता को परखा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने निर्धारित मार्ग पर अपनी एफजेडएस हाइब्रिड बाइक को चलाया और माइलेज परीक्षण में हिस्सा लिया। सबसे अधिक माइलेज 101 किमी प्रति लीटर दर्ज किया गया, जो बाइक की बेहतरीन ईंधन दक्षता और आधुनिक हाइब्रिड तकनीक को दर्शाता है।

वीबी टावर - ए प्रीमियम कमर्शियल ऑफिस प्रोजेक्ट की भव्य लॉन्चिंग कल

रायपुर। विधानसभा रोड, मोवा में वीबी टावर - ए प्रीमियम कमर्शियल ऑफिस प्रोजेक्ट का भव्य लॉन्चिंग कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। यह खास अवसर श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के उपलक्ष्य में 27, 28 और 29 जून को सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक मनाया जाएगा। वीबी टावर सिर्फ एक ऑफिस स्पेस नहीं, बल्कि एक आधुनिक वर्क कल्चर का प्रतीक है। ऑफिस स्पेस के साथ-साथ कई अत्याधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जैसे कैफेटेरिया, पोडियम गार्डन, मीटिंग हॉल और अन्य आधुनिक अमेनिटीज जो किसी भी प्रोफेशनल सेटअप को और अधिक प्रभावशाली बनाती हैं।

सेंट विंसेंट पैलोटी महाविद्यालय की नीतू गुप्ता को पीएचडी की उपाधि

रायपुर। सेंट विंसेंट पैलोटी महाविद्यालय, रायपुर की सहायक प्राध्यापक नीतू गुप्ता को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा वाणिज्य विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। यह उपाधि उन्हें उनके उत्कृष्ट शोध कार्य 'इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ एक्वाकल्चर इन रायपुर डिविजन ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट' के लिए दी गई, जो डॉ. प्राची सिंह के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

धोबी समाज के परिचय सम्मेलन में 7 युवक और 23 युवतियों ने दिया परिचय, रिश्ते हुए तय

रायपुर। ग्राम पिरीद में धोबी समाज के विवाह योग्य युवक-युवती का परिचय सम्मेलन और महिला सम्मेलन का कार्यक्रम किया गया। इस परिचय सम्मेलन में 7 युवकों और 23 युवतियों ने अपना परिचय दिया, जिसमें देर रात तक अनेक रिश्तों की तय हो जाने की जानकारी मिली। इस अवसर पर समाज के बालक-बालिकाओं ने भी शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में समाज के प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर राजधानी से अनेक जिलों के पदाधिकारी को साथ लेकर पहुंचे। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष ने समाज के नवनियुक्त पदाधिकारी को सामाजिक न्याय में पद और निष्पक्षता से न्याय करने की शपथ दिलाई और स्पष्ट शब्दों में कहा, कि गरीब हो या अमीर पदाधिकारी हो या बाहुबली जो समाज के नियम को तोड़ेंगे उनको समाज के नियम का पालन करना पड़ेगा। सम्मेलन में पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू ने समाज के भवन बनवाने और समाज को राजनीति में प्रतिनिधित्व दिलाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में वरुण निर्मलकर, गोपाल निर्मलकर, नकुल निर्मलकर, जगजीवन निर्मलकर, भोजराम करसेल, अम्बे बाघमार, भोजराम निर्मलकर, टेकराम निर्मलकर, चैतराम निर्मलकर, धनेश्वर निर्मलकर, गौतम रजक, अश्विनी निर्मलकर, बेदीराम निर्मलकर, लखन लाल रजक, संजारीराज के अध्यक्ष सरपंच तारन रजक, बजरंगी छाटा गुंडरदेही, देमेंद्र निर्मलकर अर्जुदा, शुभम निर्मलकर बालोद आदि शामिल थे।

चाकू की नोक पर लूट, पुलिस ने किया तीन बदमाश गिरफ्तार

■ शराब पीने पैसों के लालच में युवक की चांदी की ब्रेसलेट, सोने की बाली लूटने के साथ पैसा ट्रांसफर कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुरानी बस्ती थाने की पुलिस ने चार दिन पूर्व चाकू की नोक पर जान से मारने की धमकी देकर लूट के आरोप में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

बदमाशों ने युवक के कान में पहनी सोने की बाली, चांदी की ब्रेसलेट लूटने के साथ यूपीआई के माध्यम से जबरन 10 हजार रुपए ट्रांसफर कराए थे। साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने कार्रवाई युवक के पिता की शिकायत पर की है। लूट के आरोप में पुलिस ने ईदगाह भाठा निवासी शेख शाहरुख, शेख अजहर उर्फ अज्जू तथा न्यू चंगोराभाठा निवासी पंकज आसावनी को गिरफ्तार किया है। लूट के आरोप में पकड़े गए सभी बदमाश आदतन बदमाश हैं। दुर्गेश निषाद ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि रविवार दोपहर वह अपने दोस्त के साथ दंतेश्वरी मंदिर के पास खड़ा था। इस दौरान शाहरुख और उसके साथी दुर्गेश के पास पहुंचे और उसे बात करने का झांसा देकर अपने साथ महाराजबंध तालाब के पास ले गए। तालाब किनारे शाहरुख ने जेब से चाकू निकालकर दुर्गेश को धमकाते हुए पैसे देने की मांग की। भागने की कोशिश करने पर एक बदमाश ने दुर्गेश के हाथ को पीछे से पकड़ लिया एक अन्य बदमाश ने जबरन दुर्गेश के कान की बाली, ब्रेसलेट लूटकर उसके मोबाइल से अपने अपने मोबाइल के फोन-पे के स्कैनर में स्कैन कर 10 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिया।

रविवि के नाम सौंपते ही 20 मिनट में तैयार की सूची, एक दिन पहले ही मेरिट लिस्ट जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध शासकीय व निजी महाविद्यालयों ने एक दिन पहले ही मेरिट लिस्ट जारी कर दी। तय शेड्यूल के अनुसार, रविवि ने बुधवार को महाविद्यालयों को उन छात्रों की सूची सौंपी, जिन्होंने संबंधित महाविद्यालय का चुनाव किया था। छात्रों की इस सूची के आधार पर महाविद्यालयों द्वारा गुरुवार को मेरिट लिस्ट जारी की जानी थी। रविवि ने दोपहर 12 बजे अधिकतर महाविद्यालयों को सूची सौंप दी थी। इसके बाद एक घंटे के अंतराल में ही सूची तैयार कर दी गई। महंत कॉलेज सहित कई महाविद्यालय ऐसे भी रहे, जिन्होंने 20 मिनट में ही मेरिट लिस्ट तैयार करके सूची अपलोड कर दी। शहर के बड़े महाविद्यालयों के साथ अन्य जिलों के कॉलेजों ने भी एक-दो बजे तक मेरिट लिस्ट जारी कर दी थी। कई छात्र बुधवार को ही प्रवेश लेने पहुंच गए। छात्रों में परंपरागत पाठ्यक्रम जैसे-बीए, बीकॉम का क्रेज अब भी बरकरार है। महाविद्यालयों को सर्वाधिक आवेदन इन पाठ्यक्रम के लिए ही मिले हैं।

दुर्गा कॉलेज : बीकॉम की 860 सीटें, फिर भी अंतिम प्रवेश 78% पर

कॉमर्स की पढ़ाई के लिए छात्रों की पहली पसंद दुर्गा महाविद्यालय ही होती है। इस बार भी यह ट्रेंड देखने को मिला। दुर्गा महाविद्यालय में कॉमर्स की 860 सीटें हैं, लेकिन जिस अंतिम छात्र का नाम मेरिट लिस्ट में रहा, उसके प्राप्तांक 78.08% रहे। इसके अलावा बीए का कटऑफ 72.08%, बीबीए का कटऑफ 87.02% तथा बीसीए का कटऑफ 81.06% रहा। यहां बीए की 500, बीबीए की 40 तथा बीसीए की 30 सीटें हैं।

उप अभियंताओं को निविदा प्रक्रिया की दी जानकारी

रायपुर । नगर निगम अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर ने बुधवार को महात्मा गाँधी सदन के सामान्य सभा सभागार में कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर,सहित सहायक अभियंता शैलेन्द्र पटेल, उप अभियंता अर्जिता दीवान की उपस्थिति में निगम के 35 नए उप अभियंताओं को मैजरमेंट बुक रिकार्ड, निविदा प्रक्रिया एवं गुड कंस्ट्रक्शन प्रेक्टिसेज पर कार्यशाला में तकनीकी गुर सिखलाये।

जनकल्याण कार्यालय के लिए जमीन की मांग, सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जन कल्याण कार्यालय के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर ऑल ड्रायवर कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने विगत दिनों जिला आयुक्त और जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया है। इस मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष मोबिन अंसारी ने बताया कि, ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के संपूर्ण भारत में 24 करोड़ गाड़ी चालकों के लिए जन जागरूकता, जन कल्याण के लिए कार्यक्रम करता रहता है। इसके अलावा ड्राइवर्स को ट्रैफिक नियम, ब्लड डोनेशन एवं मेडिकल जांच आदि कार्यक्रम प्रशासन और मेडिकल विभाग के सहयोग से भी करते है।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 26 जून 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

राजस्थानी, ऋतु बेस्ड थीम पर वुमन्स ....

एजूकेशन लाइव

कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल के 15 दिवसीय ऑनलाइन कोर्स का समापन

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल द्वारा आयोजित 15 दिवसीय ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स का समापन बुधवार को हुआ। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग इनोवेशंस, जियोलॉजी, वॉटर रिसोर्सेज विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एनआईटी के निर्देशक एनवीरन राव रहे। इस मौके पर सीईसी के चैयरमैन डॉ. शुभोजीत घोष, डॉ. डीसी झारिया, डॉ. मृदु साहू और डॉ. चंदन कुमार सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में डॉ. घोष ने कहा कि शिक्षा की नई दिशा में विद्यार्थियों के लिए यह बेहतर अवसर रहा। जहां उन्हें कई तकनीकों से जुड़ी उपकरणों की जानकारी दी गई। इस सत्र में छात्रों को जियोलॉजी विज्ञान की जटिल प्रक्रिया को सरल चरणों में बताया गया।

तनाव प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला 27 से

एनआईटी मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा 'तनाव प्रबंधन' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा। इसका उद्देश्य शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना है। सत्र में पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने, वर्तमान में जीने की कला सीखने एवं जीवन में संतुलन और खुशहाली लाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह कार्यशाला 27 से 30 जून को एनआईटी परिसर के पीपीटी हॉल में आयोजित की जा रही।

सिटी लाइव

पूजा घर को भव्य बनाने सफेद संगमरमर व जाली वर्क इंटीरियर का नया ट्रेंड मन को भा रहा

रायपुर। इंटीरियर डिजाइनिंग से घरों के पूजा कक्ष को भव्य लुक देने लोग प्रोफेशनल इंटीरियर डिजाइर हायर कर रहे हैं। खासकर नए भवन में पूजास्थल का चयन वास्तु के साथ-साथ उसके आउट डिस्प्ले को आकर्षक व दिव्य झलक देने इंटीरियर डिजाइनिंग के मुताबिक डेकोर किया जा रहा है, घरों में अब पूजा कक्ष को सफेद संगमरमर, बैकलिट पैनल व जाली वर्क का उपयोग कर डेकोरेट करने का काफी ट्रेंड देखने को मिल रहा है। शहर की यूथ इंटीरियर डिजाइनर वर्षा देवांगन ने बताया कि शहर में आज ज्यादातर फैमिली मेंबर्स अपने घरों में पूजा कक्ष डेकोर को लेकर सेंसेटिव हैं। वैसे तो कई तरह के इंटीरियर डिजाइनिंग पूजा कक्ष को आकर्षक व भव्य बनाने के लिए की जाती है। पर इनमें आजकल जो ट्रेंड कर रहा है, उसमें सफेद संगमरमर, बैकलिट पैनल व जाली वर्क खास हैं। पूजा कक्ष में सफेद संगमरमर बहुत ही खूबसूरत लगता है। साथ ही कांच से घिरे मंदिर धूल से सुरक्षा के लिए एकदम सही होते हैं। इससे पूजा कक्ष में स्थापित मूर्तियों की सुंदरता व आभा भी भव्य रूप में प्रदर्शित होने लगती है। पूजा कक्ष सजाने के लिए कलर कॉम्बिनेशन जैसे सफेद, पीला, लकड़ी का भूरा रंग उपयोग करते हैं। इससे पूजा कक्ष को नया लुक मिल जाता है।

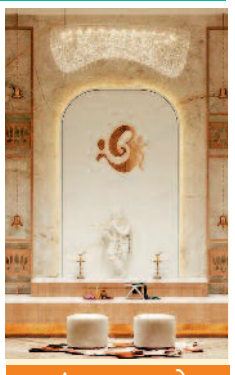

संगमरमर से सुंदरता में चार चांद

इंटीरियर डिजाइनर का कहना है कि पूजा घर के लिए संगमरमर, लकड़ी से आधुनिक डिजाइन ट्रेंड में हैं। संगमरमर का उपयोग इसकी सुंदरता और स्थायित्व को चार चांद लगता है तो वहीं लकड़ी एक पारंपरिक और शांत वातावरण बनाती है। आधुनिक मिनिमालिस्ट डिजाइन को लोग उपयुक्त मानते हैं। संगमरमर से चमकदार, शानदार बनाए रखने में आसान होता है। हल्के रंग जैसे सफेद, हल्का हरा और गुलाबी रंग पूजा कक्ष के लिए अच्छे माने जाते हैं। पूजा कक्ष में प्रकाश व्यवस्था महत्वपूर्ण है। लाइटिंग एक शांत और आरामदायक माहौल बनाने में मदद करता है।

वास्तु के अनुरूप डिजाइन लोकेशन पर ध्यान

इंटीरियर डिजाइनर वर्षा का कहना है कि वास्तु के अनुसार पूजा रूम हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा की ओर लोकेशन में करते हैं। वहीं डिजाइन का भी खास ध्यान रखते हैं, ताकि पूजा घर में प्रवेश कर भव्य व ऊर्जा का अहसास होता रहे। पूजा रूम घर का सबसे खास महत्व का स्थान होने के वजह से इसके इंटीरियर डिजाइन के लिए डिफरेंट नैचरल मटेरियल्स व कलर्स का कॉबिनेशन की डिमांड लोग करते हैं। इससे उन्हें पूजा रूम में स्थापित आरध्य की प्रतिमा से पवित्र आभा झलके।

● जिले के 372 सरकारी स्कूलों में डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम और 35 इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब किए गए विकसित

सरकारी स्कूल भी हुए स्मार्ट, हाईटेक क्लास रूम में छात्र-छात्राएं डिजिटल ब्लैक बोर्ड, लैपटॉप, प्रोजेक्टर से कर रहें पढ़ाई-लिखाई

शिक्षा विभाग शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यामिक, हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों को हाईटेक बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए जिले के चुनिंदा सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम और इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब विकसित किया गया है, जहां स्कूली छात्र-छात्राओं को स्मार्ट क्लास रूम में डिजिटल ब्लैक बोर्ड, डिजिटल स्मार्ट स्क्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर और लैपटॉप के माध्यम से पढ़ाया -लिखाया जा रहा है। इसके साथ ही इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी से संबंधित एजुकेशन के लिए अलग से आईसीटी लैब स्थापित किए गए हैं।

रायपुर। जिला शिक्षा विभाग की अधिकारी इंदरा गांधी ने बताया कि शासन की योजना के अनुरूप स्मार्ट क्लास रूम में डिजिटल ब्लैक बोर्ड लगाया जाएगा। इन डिजिटल ब्लैक बोर्ड के जरिये फिल्म, व्याख्यान, शिक्षण, गेम आदि का इस्तेमाल कर विविध विषयों पर अवधारणाएं स्पष्ट की जाएंगी। इसमें पाठ्य सामग्री भी शामिल होगी। छात्रों के संवाद के आधार पर शिक्षकों के जवाब भी उपलब्ध होंगे। वहीं, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) लैब, जिसे आईसीटी लैब भी कहा जाता है, स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को कंप्यूटर, इंटरनेट और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके सीखने के लिए अलग से स्थान है। इसका उद्देश्य छात्रों को 21वीं सदी के कौशल विकसित करने और उन्हें डिजिटल दुनिया के लिए तैयार करना है। इस तरह यह कहा जा सकता है कि अब सरकारी स्कूलों में भी शिक्षा स्तर में सुधार व आधुनिक नवाचार जुड़ने से बच्चों के भविष्य उज्जवल बन सकेगा।

शहर के इन स्कूलों में स्मार्ट एजुकेशन सिस्टम

जेआर दानी उत्कृष्ट कन्या विद्यालय कालीबाड़ी, पूर्व माध्यामिक शाला कुशालपुर, शासकीय पूर्व माध्यामिक शाला भाठागांव, गवर्मेंट हाई स्कूल खम्हारडीह, गवर्मेंट हाई स्कूल पुरेना, पूर्व माध्यमिक शाला चौबे कॉलोनी, पूर्व माध्यमिक शाला जेएन पांडे मल्टीपर्पस, पूर्व माध्यमिक शाला अमलीडीह, नवीन पूर्व माध्यमिक शाला टिकरापारा शहर की प्रमुख सरकारी विद्यालय हैं, जहां स्कूली छात्र-छात्राओं को स्मार्ट क्लास रूम व आईटीसी लैब में डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्रदान किया जा रहा है।

जिले में कुल 407 स्कूलों को किया सलेक्ट

जिला शिक्षा विभाग से उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक डिजिटल एजुकेशन के लिए 407 सरकारी स्कूलों को सलेक्ट किया गया है। इनमें 372 सरकारी स्कूलों में डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम और 35 इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब विकसित किया गया है। इनमें जिले के तिल्दा, आरंग व धरसींवा ब्लॉक शामिल हैं। सभी स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा स्मार्ट क्लास रूम व आईसीटी लैब में शिक्षण कार्य कराया जा रहा है।

इन योजनाओं से डिजिटल एजुकेशन की बयार

पीएमश्री योजना से सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, जिसमें स्मार्ट क्लास रूम शामिल हैं। जिले के चुनिंदा स्कूल इस योजना में शामिल हैं। इन क्लास रूम में वर्चुअल रियलिटी लैब, अटल टिंकरिंग लैब, एआई रोबोटिक्स और गेमिफाइड लर्निंग जैसी उन्नत शिक्षण सुविधाएं प्रदान की गई हैं। वहीं, संपर्क स्मार्ट क्लास प्रोग्राम 2016 के तहत सरकारी प्राथमिक स्कूलों में बच्चों को गणित और अंग्रेजी पढ़ाने के लिए ऑडियो और 3डी शिक्षण के लिए वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टेड प्रोजेक्टर उपलब्ध कराया गया है। इससे स्कूली छात्र-छात्राओं के एजुकेशन लर्निंग को आधुनिकता से जोड़कर अधिक इंटरैक्टिव और आकर्षक बनाने की पहल ने सरकारी स्कूलों की एजुकेशन सिस्टम की तस्वीर बदल दी है।

एआई तकनीक से सीधे जुड़ने से बच्चे बन रहें एडवांस

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कुशालपुर की शिक्षिका सपना तिवारी ने बताया कि स्कूल में वाई-फाई कनेक्टेड प्रोजेक्टर, कंप्यूटर लैब के आने से स्मार्ट क्लास रूम व आईसीटी लैब के सहारे एआई तकनीक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से सीधे जुड़ने से बच्चों की लर्निंग लेवल एडवांस हुई हैं। वहीं, जेआर दानी उत्कृष्ट कन्या विद्यालय के प्राचार्य हितेश दिवान ने बताया कि उनके यहां स्मार्ट क्लास रूम में डिजिटल ब्लैक बोर्ड, डिजिटन स्क्रीन बोर्ड, आईसीटी लैब से कक्षाएं हाईटेक क्लास रूम में बदल गया है। पूर्व माध्यमिक शाला भाठागांव के प्रभारी प्राचार्य परसराम सोनकर ने बताया कि स्कूल में आईसीटी लैब में करीब 10 से अधिक कंप्यूटर सिस्टम छात्रों के लिए उपलब्ध कराया गया है।

शिक्षा को बढ़ावा देने विद्यार्थियों को एनजीओ ने दिया स्कूल बैग

रायपुर। स्कूल खुलने के साथ ही एक बार फिर शहर की संस्थाओं ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पहल शुरू की है। विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराते हुए एनजीओ के लोग अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस कड़ी में बुधवार को दिव्यांश फाउंडेशन संस्था द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला रायपुरा में दस्तक दी गई। जहां संस्था के लोगों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया। इसमें विद्यालय के 100 विद्यार्थियों को निःशुल्क बैग उपलब्ध करवाने के लिए पहल की गई। संस्था ने छात्र-छात्राओं को जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराने और सर्व शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा सामग्री के रूप में स्कूल बैग दिया।

शैक्षणिक सामग्री सहेजने में किया सहयोग

आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करते हुए मनीष राय, पवन यदु, वीरेंद्र कश्यप, गगन सिंह, मुकेश साहू सुबह स्कूल टाइम में पहुंचे। उन्होंने सूर्या और लाखन जायसवाल के साथ मिलकर प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को किताब-कापियों को सहेजने के लिए बैग उपलब्ध करवाया, ताकि अच्छे से पढ़ाई करने के साथ विद्यालय और माता- पिता का नाम रोशन करें। सर्व शिक्षा अभियान की श्रृंखला में इस आयोजन में स्कूल की शिक्षक-शिक्षिकाएं भी सहभागी बने। वहीं, प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले विद्यार्थी के चेहरे पर नया बैग मिलने की खुशी देखने को मिली। इस प्रयास के लिए शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संस्था के लोगों को साधुवाद दिया।

आज श्री जगन्नाथ कला प्रदर्शनी का आयोजन

रायपुर। महाकोशल कला परिषद द्वारा एक दिवसीय श्री जगन्नाथ कला प्रदर्शनी का आयोजन 26 जून को शाम 6 बजे महाकोशल कला वीथिका में किया जाएगा। प्रदर्शनी में श्री जगन्नाथ के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि सारिका बरलोटे प्रदर्शनी में शामिल सभी चित्रों का निरीक्षण करेंगी।

कला प्रदर्शनी के दौरान कलाकारों द्वारा तैयार दैनिक जीवन में श्री जगन्नाथ स्वामी का संदेश, रचनात्मक चित्र, श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र और रानी सुभद्रा की रथयात्रा का दृश्य, श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्तों का भगवान के प्रति समर्पण भाव का चित्र देखने को मिलेगा। कलाकारों ने जगन्नाथ पुरी के तर्ज पर जीवंत तस्वीरें भी तैयार की हैं।

जीवंत चित्रों की प्रदर्शनी

इस कला प्रदर्शनी में अहमदाबाद से माईनक भट्टाचार्य, लखनऊ से धनंजय पंवार, आरंग से खुशी नेताम, खैरागढ़ से अमृता भट्टाचार्य, दिल्ली से सांभवी शर्मा, समवेद शर्मा, साक्षी आकुला, डॉ. शिखर शर्मा, अजय तिवारी, सुधा शर्मा, चंद्रकांत साहू, निखिल कुंजाम, राधिका शर्मा, नीतु निषाद, अवतार सिंह भंगल, डॉ. शिखर शर्मा द्वारा तैयार की गई चित्रों का वर्णन मिलेगा। सभी चित्र जीवंत रूप से तैयार की गई है।

राजधानी के गोलबाजार स्थित बुक मार्केट में बढ़ी चहल-पहल, स्टेशनरी और बैग्स की डिमांड ज्यादा

स्कूल खुलते ही पुस्तक बाजार में लौटी रौनक मैजिक प्रैक्टिस बुक व कार्टून कैरेक्टर में बाक्स

कार्नर न्यूज

रायपुर। स्कूल खुलते ही कई महीनों से पसरा पुस्तक बाजार का सन्नाटा अब रौनक में तब्दील हो गया है। नए शिक्षा सत्र का आगाज होते ही गली-मोहल्लों ही नहीं, बल्कि गोलबाजार स्टेशनरी मार्केट में एक बार फिर से पालकों और छात्र-छात्राओं की चहल-पहल बढ़ गई है। पेंसिल बाक्स सहित मैजिक प्रैक्टिस बुक को लोग बच्चों को अक्षर ज्ञान करवाने के लिए खरीदने में रुचि ले रहे हैं। इसे लिखने के लिए चाक का इस्तेमाल नहीं होने से पालकों को यह ज्यादा पसंद आ रहा है। इसे मिटाने में छोटे बच्चों का हाथ-मुंह भी चाक की वजह से सफेद नहीं होगा। मार्केट खुलने से लेकर रात 10 बजे तक रौनक बनी रहती है। पेंसिल, कटर और खिलौने जैसे इरेजर भी अलग-अलग रेंज में मिल रहे हैं। दुकान संचालक बताते हैं कि अच्छी ग्राहकी के लिए पालकों को जरूरी प्रोडक्ट को उनके बजट के अनुरूप उपलब्ध करवा रहे हैं।

छोटे बच्चों की पसंद को भी दे रहे तवज्जो

पहली बार स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों की पसंद को पालक भी तवज्जो दे रहे हैं। पुस्तक दुकान संचालक परवेज सकील्लुद्दीन ने बताया कि बच्चों को आकर्षित करने वाली अध्ययन सामग्री को माता-पिता इसलिए खरीद रहे हैं, ताकि पढ़ाई में उनके बच्चे का मन लगे। अक्षर ज्ञान कराने के लिए अलग-अलग ड्राइंग के माध्यम से बच्चों को कलर भरने की आदत से जोड़ने के लिए भी खरीद रहे, ताकि बच्चों का मोबाइल से दूरी बनाया जा सके। मार्केट में चाइना पेन-पेंसिल जैसे प्रोडक्ट की पूछ-परख हैं।

बाजार में लेदर और फोम से निर्मित बॉक्स

कम दाम में मिलने से पालक कार्टून कैरेक्टर प्रिंटेड पेंसिल बॉक्स भी खरीद रहे हैं। दुकानदारों ने बताया कि बच्चों का पसंदीदा कैरेक्टर बाक्स का हिस्सा होने से उसे टूट-फूट से भी बचाते हैं। दुकान के बाहर ही इसे सजाया है, ताकि छोटे बच्चों की नजर पड़े। इनमें कपड़े, लेदर और फोम से निर्मित बॉक्स बच्चों को ज्यादा पसंद आ रहे हैं। 50 रुपए से 300 रुपए की रेंज में कार्टून कैरेक्टर वाले बॉक्स भी पालक इसलिए खरीद रहे, क्योंकि इस प्रोडक्ट से कोई नुकसान नहीं होगा। साथ ही बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहेगा।

अलग-अलग डिजाइन में पेन और पेंसिल

स्टेशनरी के व्यावसाय से जुड़े विवेक अग्रवाल ने बताया कि पेन व पेंसिल जैसी स्टेशनरी में अलग-अलग डिजाइन में सामग्री दिखा रहे हैं। कम रेंज में बेहतर क्वालिटी और डिजाइन मिलने से लोग पेन व पेंसिल देखने के बाद उसकी खासियत भी जानने का प्रयास करते हैं। नोट बुक में लिखते समय गलती हो जाए तो लिखने और मिटाने की सुविधा वाले प्रोडक्ट को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। बैग्स की पूछ-परख कायम है। हर साल की तरह ही मालवीय रोड बैग्स के स्टाल्स से गुलजार है। इनके पास 250 रुपए से 1500 रुपए की रेंज में स्कूल बैग्स की विशाल रेंज है।

कैंपस लाइव

सभी समस्या के तकनीकी समाधान को इनोवेशन के रूप में देखा जा रहा

रायपुर। आईपीआर लोगों के जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू है। जहां पर कोई क्रियात्मकता नहीं, वहां पर आईपीआर नहीं है। जहां क्रियात्मकता है, वहां आईपीआर की मौजूदगी है। सभी समस्या के तकनीकी समाधान को इनोवेशन के रूप में देखा जाता है। इसी परिपेक्ष्य में इनोवेशन क्या है ? उनके महत्व क्या है और किसलिए किया जाता हैं ? इसे सभी स्तर पर समझने की जरूरत है। उक्त बातें बुधवार को महंत लक्ष्मी नारायण दास एवं विवेकानंद कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में सीजी कॉस्ट के वैज्ञानिक अमित दुबे ने कही। एक सूत्र वाक्य इनोवेशन और आईपीआर में गहरा संबंध की कड़ी में उन्होंने सारगर्भित व्याख्यान दिया। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव प्रो. अंबर व्यास और महंत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी व विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा की उपस्थिति में श्री दुबे ने व्याख्यान दिया।

वैश्विक परिदृश्य में आईपीआर महत्वपूर्ण

पं. रविवि के प्रभारी कुल सचिव प्रो. अंबर व्यास ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में आईपीआर महत्वपूर्ण है। इसके तहत ज्ञान को सहेज कर किस तरह से पेटेंट कराया जा सकता है। लोगों को नकारात्मकता को अलग रखकर आईपीआर को समझने की जरूरत है। प्राचार्य डॉ. मुखर्जी एवं डॉ. मिश्रा ने छह दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों को स्पष्ट किया और कहा कि दोनों कॉलेजों ने एक समझौते के तहत अपने रिसर्च स्कॉलर और कॉलेज स्टाफ के लिए निरंतर आयोजित करता रहा है। आने वाले दिनों में इस श्रृंखला को और बढ़ाया जाएगा। डॉ. मेघा सिंह ने कार्यशाला की संक्षिप्त रिपोर्ट पेश की। आभार प्रदर्शन कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. शांतनु पाल ने किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. श्रुति तिवारी ने किया।

● राजधानी में महिला विंग और समूहों ने शुरू की तैयारी, सांस्कृतिक प्रोग्राम को सजाने करेंगी शिरकत

राजस्थानी, ऋतु बेस्ड थीम पर वुमन्स सोलह श्रृंगार में करेंगी सावन सेलिब्रेशन, झूला के बाद रैम्प वॉक

'इस सावन को उत्सव का रूप देने के लिए शहर की सामाजिक और संगठन से जुड़ी वुमन्स ने तैयारी शुरू की है। सावन में सिर्फ चार सोमवार मिलने से महिला विंग ने सोलह श्रृंगार में राजस्थानी और ऋतु बेस्ड थीम को पहली प्रायर्टी देने के साथ ही तिथि भी तय करने लगी हैं। सेलिब्रेशन से सावन को खास बनाने अब विंग से जुड़ी महिलाओं ने आयोजन की रूपरेखा भी बनाने लगी हैं। कई संस्थाओं ने परंपराओं को आकर्षण का केन्द्र बनाने का निर्णय लिया है, तो कई वुमन्स ग्रुप ने इसे गीत-संगीत से रोचक बनाने का मन बनाया है।'

रायपुर। शहर की महिलाएं हर साल सावन के महीने को उत्सव का रूप देती हैं। सावन शुरू होने में भले ही अभी 14 दिन शेष हैं, लेकिन महिला समितियों व सामाजिक संगठनों से जुड़ी विंग ने अभी से उत्साह का रूप देने उत्साही नजर आने लगी हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि कई महिला विंग ने इस सावन को खास तरीके से सेलिब्रेट करने के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा ही नहीं, किस तरह के पहनावे में उत्सव का हिस्सा बनना है, यह भी तय करने में रुचि लेने लगी हैं। विभिन्न मंडलों और संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं ने आयोजनों की तैयारियां शुरू करते हुए इसे सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी भी बांट दी हैं। इस बार अधिकतर कार्यक्रमों को थीम बेस्ड ड्रेस कोड, सांस्कृतिक संध्या, रैंप वॉक, गेम्स, फोटोशूट और पारंपरिक सावन झूला सजाने का मन बनाया है।

फाइल फोटो

रंगीलो थीम से सजाएंगी सावन महोत्सव

इस बार छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा ने आयोजन को खास बनाने का मन बना लिया है। मीनू चंगा ने बताया कि इस सावन को रंगीलो राजस्थान थीम पर महोत्सव का रूप दिया जाएगा। इस वर्ष 12 जुलाई को पंजाब केसरी भवन में सावन उत्सव का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं के बीच सावन कार्निवल को रोचक बनाने के लिए जहां महिलाएं साज-श्रृंगार के साथ आयोजन का हिस्सा बनेंगी, वहीं श्रृंगार की सामग्री से स्टॉल भी सजाया जाएगा। इनमें मेहंदी, चूड़ी, ज्वेलरी जैसे 10 स्टॉल शामिल होंगे। इस मौके पर सौ से अधिक महिलाएं सोलह श्रृंगार में शिरकत करेंगी।

उत्सव में ऋतुओं का रंग होगा आकर्षक

माहेश्वरी समाज की महिला विंग ने 19 जुलाई को सावन उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। महिला विंग की अध्यक्ष विद्या काबरा ने बताया कि 'चार ऋतुओं' पर केन्द्रित थीम आकर्षण का केन्द्र बनेगा। अनोखा थीम तय होने से महिलाएं बसंत, ग्रीष्म, शरद और शीत ऋतु आधारित श्रृंगार में भाग लेंगी। महोत्सव का आयोजन एक होटल में किया जाएगा। कार्यक्रम में नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विविध प्रतियोगिताएं भी होंगी। इसका उद्देश्य न केवल पारंपरिक परिधानों को बढ़ावा देना, बल्कि भारतीय संस्कृति से महिलाओं को जोड़ना भी है। इसमें 200 से अधिक महिलाएं पारंपरिक साड़ी पहनकर शिरकत करेंगी।

फाइल फोटो

फाइल फोटो

अलग-अलग 16 केंद्रों में करेंगी शिरकत

मराठी समाज की महिलाओं द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महाराष्ट्र मंडल की महिला समिति की अध्यक्ष विशाखा तोपखानेवाले ने बताया कि 16 केंद्रों की महिलाएं मिलकर सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम को आयोजित करेंगी। मराठी समाज की परंपरा के तहत सावन लगने के 15 दिन बाद यह उत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव की तारीख शुक्रवार और शनिवार को होने वाली बैठक में तय की होगी। इस सावन को नारी सशक्तीकरण और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाने का प्रयास किया जाएगा। 300 से अधिक महिलाएं हरे रंग की साड़ी पहनकर शामिल होंगी। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, रैंप वॉक और सरप्राइज गेम्स उत्सव में रंग भरेंगे।

थीम बेस्ड ड्रेस कोड से जेसीआई वामा...

जेसीआई वामा की मेंबर दीया मूलचंदानी ने बताया कि इस बार भी सावन महोत्सव को भव्य अंदाज में मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मधुबन फार्म हाउस में किया जाएगा, जहां महिलाएं थीम बेस्ड ड्रेस कोड में शामिल होंगी। हर साल की तरह इस बार भी रंगारंग आयोजन की तैयारी की जा रही है। इसमें गीत-संगीत के साथ ही सावन झूला आकर्षण का केन्द्र रहेगा। इसके लिए रूपरेखा तैयार की जा रही है।

30 जुलाई को संगीनी महिला मंडल का सावन झूला महोत्सव

संगीनी महिला मंडल की अध्यक्ष किरण अग्रवाल ने बताया कि मंडल द्वारा 30 जुलाई को भव्य सावन झूला कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें महिलाओं के लिए संगीतमय प्रस्तुति, गेम्स, फोटोशूट और सजे हुए झूले की व्यवस्था रहेगी। इससे पहले 8-9 जुलाई को महाराष्ट्र मंडल सभागार में सावन प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिलाओं के लिए खरीदारी और सांस्कृतिक गतिविधियां रहेंगी।

धर्म लाइव

जैन दादाबाड़ी में विश्व शांति के लिए दादा गुरुदेव की बड़ी पूजा

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में बुधवार को विश्व शांति के लिए दादा गुरुदेव की बड़ी पूजा-प्रार्थना की गई। सोसायटी के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्व में युद्ध, हिंसा व परमाणु हथियारों का शोर है। इसे देखते हुए अमावस्या तिथि पर जैन दादाबाड़ी परिसर में एकत्र होकर सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने दादा गुरुदेव की बड़ी पूजा में भाग लिया। अहिंसा, दया, करुणा और जाप किया। कोचर ने बताया कि चातुर्मास 9 जुलाई से शुरू हो रहा है। इसमें सकल जैन समाज के साधु-साध्वियों द्वारा शहर में 10 स्थानों में धर्म आराधना की जाएगी। चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में 21 दिवसीय दादा गुरुदेव इक्तीसा जाप का आयोजन किया जाएगा।

गुरु भक्ति से सजे भजनों से सराबोर हुआ माहौल

इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट समिति की बैठक 27 जून को रात 9 बजे से महाविदेह आराधना केन्द्र में रखी गई है। इसमें इक्तीसा जाप की रूपरेखा तय की जाएगी। चातुर्मास के अवसर पर पर्युषण पर्व आराधना होगी। अमावस्या पर दादा गुरुदेव की पूजा में सबसे पहले चारों दादा गुरुदेव की वेदी प्रतिमाओं के सम्मुख अष्ट प्रकारी पूजा का विधान किया गया। इसमें वर्धमान चोपड़ा, दीप्ती बैद, विवेक बैद, निर्मल पारख, मंजू कोठारी द्वारा बड़ी पूजा का विधान किया गया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा बताया कि कुशल नाम है कितना प्यारा, जन जन की आंखों का तारा.., जब कोई नहीं आता मेरे दादा आते हैं.....,जैसे भजनों से वातावरण गुरु भक्ति से सराबोर हुआ।

जगन्नाथ प्रभु का आज होगा नेत्रोत्सव कल रथयात्रा से पहले गूंजेगा मंत्रोच्चार

गायत्री नगर मंदिर में राज्यपाल, सीएम और विधानसभा अध्यक्ष करेंगे पूजा-अर्चना

रायपुर। भक्त और भगवान के बीच सीधे संवाद से जुड़े रथयात्रा के महापर्व को इस बार भी भक्ति-भाव से मनाया जाएगा। जगन्नाथ प्रभु 15 दिनों की बीमारी के बाद स्वस्थ होंगे। गुरुवार को सुबह नेत्रोत्सव के साथ प्रभु स्वस्थ हो जाएंगे और 27 मार्च को अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए निकल पड़ेंगे। नौ दिन मौसी के घर रहने के बाद पांच जुलाई को वापस गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचेंगे। इससे पूर्व शुक्रवार को सुबह सात बजे प्रभु जगन्नाथ को विधिवत स्नान कराया जाएगा। सवा 12 बजे राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, शहर के चारों विधायक गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद रथयात्रा की परंपरा निभाएंगे। जगन्नाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष व पश्चिम क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने यह जानकारी पत्रकार वार्ता में दी।

बीटीआई मैदान में रहेगा मौसी का घर

राज्य के प्रथम नागरिक द्वारा आरती की जाएगी। इसके बाद 12.30 बजे राज्यपाल रमेन डेका, उनकी धर्मपत्नी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी धर्मपत्नी हवन कुण्ड में पूर्णाहुति देने के बाद छेरा पहरा (रथ के आगे सोने के झाड़ू से बुहारना) के बाद विशेष पूजा- अर्चना करते हुए रथ को खींचते हुए रवाना करने की रस्म अदा करेंगे। दोपहर 3 बजे गायत्री नगर जगन्नाथ मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम एवं बहन सुभद्रा के साथ भक्तों को दर्शन देते हुए मौसी के घर बीटीआई ग्राउंड गुन्डिचा मंदिर के लिए निकलेंगे।

पारंपरिक रूट से ही निकलेगी रथयात्रा

भक्तों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए श्री जगन्नाथ मन्दिर सेवा समिति ने बड़े पैमाने पर भोग -प्रसादी वितरण के लिए व्यवस्था की है। कुछ इसी तरह की व्यवस्था टूरी हटरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में भी गई है। नेत्रोत्सव का विधान मंत्रोच्चार के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर भक्तों की आवाजाही फिर बढ़ेगी। वहीं, लीली चौक के पास स्थित मंदिर से इस बार भी पारंपरिक रूट से ही रथयात्रा निकलेगी। इसे देखते हुए भक्तों ने ग्रुप बनाकर व्यवस्था बहाली में सहयोग के लिए तैयारी की है। इसी तरह सदर बाजार में भी उत्सव का माहौल बनने वाला है। यहां भी प्रभु जगन्नाथ का नेत्रोत्सव विधि-विधान से किया जाएगा।

बंदनवार में परंपरा और संस्कृति से जुड़ाव महिलाओं के कौशल विकास को बढ़ावा

रायपुर। रोटरी क्लब ऐलिगेंस की ओर से बंदनवार वर्कशॉप का आयोजन बुधवार को वीआईपी रोड स्थित रिसोर्ट में प्रशिक्षक वंशिका अग्रवाल की मौजूदगी में किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को पारंपरिक बंदनवार बनाने की बारीकियां सिखाई गईं। इस दौरान सभी सदस्यों ने स्टोन, आर्टिफिशियल फूल, शीशे, रंग-बिरंगी कलात्मक सामग्रियों से सुंदर और सृजनात्मक तोरण तैयार किया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की रचनात्मक प्रतिभा को निखारना और पारंपरिक संस्कृति से जोड़ना रहा। मौजूद सदस्यों ने बताया कि एक दिवसीय कार्यशाला में भारतीय संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिला।

परंपरागत कलाओं को बढ़ावा देने का उद्देश्य

क्लब फाउंडर मनीषा अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और परंपरागत कलाओं को संरक्षित कर बढ़ावा देना है। चेयरपर्सन निकिता अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभागियों को नया कौशल सीखने और पारंपरिक कला रूपों से जुड़ने का मंच मिलता है, जिससे उनमें आत्मविश्वास और रचनात्मकता दोनों विकसित होती हैं।

गिफ्ट पैकिंग व पूजन की थाली तैयार करने दी गई टिप्स

कार्यशाला की शुरुआत में महिलाओं को डेकोरेशन किट दिया गया, जिसमें सजावट की सभी वस्तुएं मौजूद थीं। प्रशिक्षक वंशिका अग्रवाल ने बताया कि गिफ्ट को आकर्षक ढंग से पैकिंग करने के लिए, पहले एक सपाट सतह पर रैपिंग पेपर फैलाएं और गिफ्ट को उसके बीच में रखें। फिर, गिफ्ट के चारों ओर पेपर लपेटें, किनारों में स्टीकी टेप लगाएं। गिफ्ट पैक करते वक्त हमेशा कागज के पेपर का उपयोग करें, इससे आकर्षक बनाया जा सकता है। कार्यशाला में पारंपरिक बंदनवार बनाने का टिप्स दी गई। त्यौहार शुरू होते ही घर पर बंदनवार लगाया जाता है। घर पर मौजूद वेस्ट वस्तुओं से भी बंदनवार बनाया जा सकता है। इसके लिए आर्टिफिशियल फूल-पत्ते, ऊन, चूड़ियां, रंग, टी-कप, वुडन का प्रयोग कर सकते हैं। इस दौरान गिफ्ट पैकिंग, पूजा थाल, रिंग सेरेमनी में डेकोरेशन के लिए टिप्स दी गई।

अघोर महोत्सव का हुआ समापन, 5 दिनों तक भक्तों ने सौभाग्यशाली होने किया हवन-यज्ञ

रायपुर। बुधवार को 5 दिवसीय अघोर महोत्व का भक्तिमय समापन हो गया। 21 से 25 जून तक लगातार मनसा तालाब प्रोफेसर कॉलोनी अघोर पीठ श्रीधाम सुमेरू मठ औघड़ नाथ दरबार में अघोरामंत्रोचारण गूंजयमान रहा। रोजाना प्रातः 4 बजे से रात्रि तक श्रीयज्ञ हवन अनुष्ठान, महाआरती, अघोराभिषेक के लिए मठ में भक्तों का तांता लगा रहा। गौरतलब है कि हर साल की भांति इस साल भी मनसा तालाब प्रोफेसर कॉलोनी अघोर पीठ श्रीधाम सुमेरू मठ औघड़ नाथ दरबार में अघोर महोत्सव भक्तिरस के साथ सपन्न हुआ। अघोर महोत्सव के अंतिम दिन भक्तों का मठ के अंदर-बाहर भीड़ उमड़ी रही। अघोरपीठाधीश

के नेतृत्व में मंत्रोचार के साथ श्रीयज्ञ हवन अनुष्ठान, पारद निर्मित रसेश्वर शिवलिंग का अघोराभिषेक भक्तों ने रसराज का जल, दूध, दही, घी, शहद और मक्खन से किया गया। अघोराभिषेक के बाद महाआरती में भक्त शामिल हुए। अघोरपीठाधीश व भक्तों द्वारा महाआरती में रसेश्वर शिवलिंग का पुष्प श्रृंगार किया गया। अघोर पीठ श्रीधाम सुमेरु मठ पीठाधीश रूद्रानंद प्रचंडवेग के अनुसार अघोर शिष्यों व भक्तों द्वारा इस 5 दिवसीय अघोर महोत्सव में अघोरमंत्रोचार के साथ श्रीयज्ञ हवन अनुष्ठान, अघोराभिषेक, महाआरती की अनवरत विधि-विधान किया गया।

रसेश्वर से की सुख समृद्धि की कामना

अघोर महोत्सव के दौरान लगातार 5 दिनों तक भक्तों ने मनसा तालाब प्रोफेसर कॉलोनी अघोर पीठ श्रीधाम सुमेरू मठ औघड़ नाथ दरबार में पारद निर्मित रसेश्वर भगवान की श्रीयज्ञ अनुष्ठान, हवन पूजन, अघोराभिषेक, महाआरती कर अपने लिए पुण्य फल की प्राप्ति, परिवार की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। अघोर महोत्सव में बड़ी संख्या में भक्तगण 21 से 25 जून तक रोज प्रातः 4 बजे से रात्रि तक भक्ति व शक्ति की उपासना में लीन रहकर कड़ी साधना व उपासना किए।

सिटी स्पोर्ट्स

ईस्ट और साउथ जोन की जीत, रिया और नवलीन की शानदार पारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से अंडर-19 एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत बुधवार को दो मैच हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम ईस्ट जोन ने वेस्ट जोन के विरुद्ध 58 रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में ईस्ट जोन ने 4 विकेट पर 210 रन बनाए। इनमें रिया सिंह ने नॉट आउट 80 रन और नवलीन कौर जस्सल ने नॉट आउट 58 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की मोनिका श्रीवास ने तीन विकेट और मिताली नरेटी ने एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन की टीम 152 रन पर आउट हो गईं। वेस्ट जोन की मोनिका श्रीवास ने 48 रन, मिताली नरेटी ने 23 रन और सौम्या रात्रे ने 15 रन बनाए। गेंदबाजी में ईस्ट जोन की नवलीन कौर जस्सल ने दो विकेट तथा संयोगिता साहू,मोनिका मरावी एवं रिया सिंह ने एक-एक विकेट लिए।

बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में बुधवार को हुए मैच में टीम नॉर्थ जोन के विरुद्ध साउथ ने पांच विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोन की टीम 68 रन पर आउट हो गई। जिसमें गीत डहरिया ने 16 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ जोन की शिविका अग्रवाल एवं चांदनी कुमारी ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं रंगीता लाकराने ने दो विकेट, ख्याति साहू एवं हिवानी चंद्रवंशी ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में साउथ जोन ने 5 विकेट पर 69 रन बनाए। जिसमें निधि मांडवी ने नॉट आउट 24 रन बनाए। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन की सुरभि एवं शाहीना खान ने एक-एक विकेट लिए।

अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा प्रतियोगिता आज से

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के मंडल मुख्यालय रायपुर मे 48 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा प्रतियोगिता-2025 का आयोजन 26 जून से 28 जून तक डब्लुआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन मे किया जा रहा है। सुबह 9 बजे से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में सभी क्षेत्रीय रेलवे से 15 टीमे भाग ले रही है।

राज्य स्तरीय क्लब क्रिकेट की चैंपियन बनी एमआरएफ एकेडमी

रायपुर। टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित स्वर्गीय हुसैन कुरैशी अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन राजधानी रायपुर में हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी में पिछले 15 दिनों से यह स्पर्धा आयोजित हो रही थी। जिसमे छत्तीसगढ़ राज्य से 16 टीमो ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सभी टीमो को 3-3 टी-20 मैच खेलने को मिले। प्रतियोगिता में कुल 28 मैच हुए। जिसे पूरे छत्तीसगढ़ ने यू-ट्यूब के माध्यम से सीधा प्रसारण लाइव देखा।

प्रतियोगिता का फाइनल मैच प्रतियोगिता की दो सर्वश्रेष्ठ टीम टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी रायपुर और एमआरएफ क्रिकेट एकेडमी राजनांदगांव के बीच हुआ। राजनांदगांव ने टॉस जीतकर टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 106 रन बनाए। जवाब में एमआरएफ एकेडमी राजनांदगांव की टीम ने 19.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया और रोमांचक मैच में 4 विकेट से हासिल की। प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथों पुरस्कृत किया गया। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी के कप्तान आदित्य बयडवाल रहे। उन्होंने आलराउंड प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाजी में 187रन बनाने के साथ गेंदबाजी में 9 विकेट भी हासिल किए।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेस्ठ बल्लेबाज भी टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी के आदित्य बयडवाल रहे। प्रतियोगिता के सर्वश्रेस्ठ कीपर और एमआर एकेडमी के श्रेयांश कुमार रहे। फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच राजनांदगांव के अश्विर सिंह रहे। इस अवसर पर राजेश्वर सोनकर, राकेश कुर्रे, विकास सोनकर, शेख वहीद, मनहरण यादव, प्रमोद राजपूत, मुनव्वर अली, श्रीमती लता खैरवार, श्रीमती जानकी ध्रुव और लेख राम साहू उपस्थित थे। मंच का संचालन जमशेद रजा ने किया।

स्क्रीन से होने वाली आंखों की समस्याओं के लिए बचाव जरूरी

ई- स्क्रीन आपकी आंखों को पहुंचा रहा नुकसान बढ़ रही लोगों में 'डिजिटल आई स्ट्रेन' की समस्या

आज के समय में बहुत से लोग अपनी दिनचर्या का अधिकतर समय किसी न किसी स्क्रीन के सामने ही बिताते हैं। ज्यादा देर तक स्क्रीन के सामने रहने से डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या हो सकती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही इसके बचाव के उपाय भी जानेंगे। आज की डिजिटल दुनिया में स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में अधिकतर लोग इन स्क्रीन्स पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं। पहले के समय बच्चे कम से कम आउटडोर गेम खेलते थे, लेकिन अब मनोरंजन से लेकर काम तक, हर चीज इन्हीं स्क्रीन्स पर सिमट गई है। लेकिन इस सुविधा का एक नकारात्मक पहलू भी है, लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताने से हमारी आंखों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिसे चिकित्सकीय भाषा में डिजिटल आई स्ट्रेन या कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहा जाता है। यह सिर्फ आंखों की हल्की थकान नहीं है, बल्कि तेजी से बढ़ती हुई बड़ी समस्या है जो आंखों में जलन, सूखापन, धुंधलापन और लगातार सिरदर्द का कारण बन सकती है। ऐसे में, इस डिजिटल चुनौती के दौर में अपनी आंखों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए इस लेख में हम इसी के बारे में विस्तार से जानेंगे कि डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है?

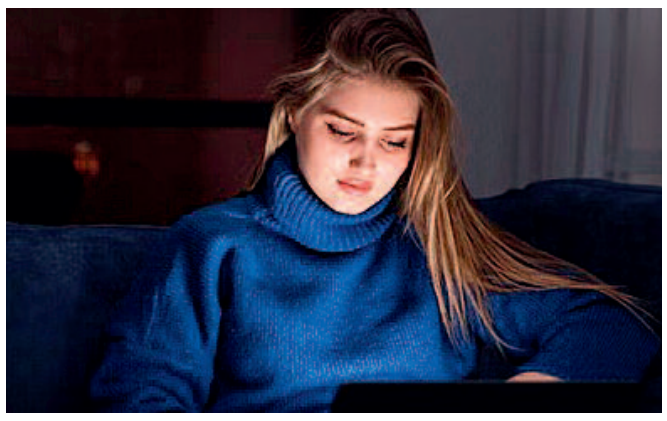

डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है?

डिजिटल आई स्ट्रेन एक ऐसी स्थिति है, जो लंबे समय तक डिजिटल स्क्रीन (कंप्यूटर, फोन, टीवी) के उपयोग से होती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी (ब्लू लाइट), बार-बार पलक न झपकना, और अनुचित दूरी या रोशनी में काम करना इसके मुख्य कारण हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 50-90% लोग जो रोजाना 2-3 घंटे से ज्यादा स्क्रीन पर समय बिताते हैं, इस समस्या से प्रभावित होते हैं। इसके लक्षणों में आंखों में दर्द, सूखापन, थकान, धुंधला दिखना, और सिरदर्द शामिल हैं।

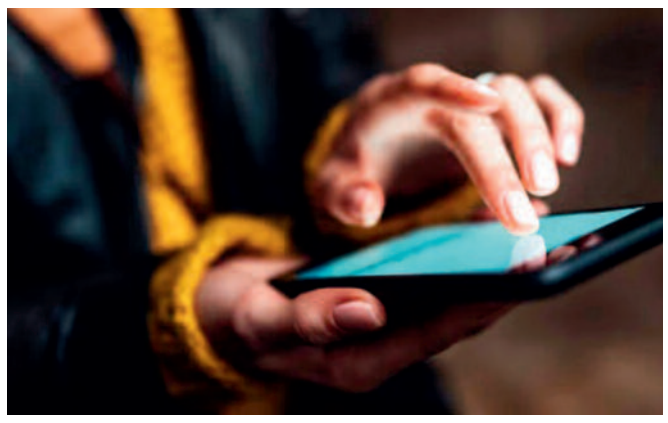

डिजिटल आई स्ट्रेन के कारण

लंबे समय तक स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी रेटिना को नुकसान पहुंचा सकती है और स्लीप साइकिल को प्रभावित करती है। इसके अलावा कम पलक झपकने से आंखें सूखी रहती हैं, जिससे जलन और असहजता होती है। खराब रोशनी, गलत बैठने की मुद्रा, और स्क्रीन की गलत दूरी भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। बचाव के आसान उपाय आपको जानना जरूरी है। इस

समस्या से बचने के लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं-

हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए स्क्रीन से हटकर 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें। यह आंखों की मांसपेशियों को आराम देता है। आमतौर पर स्क्रीन देखते समय लोग कम पलक झपकाते हैं, जिससे आंखें सूखती हैं। सचेत रूप से बार-बार पलक झपकाएं। स्क्रीन की ब्राइटनेस को कम करें और नीली रोशनी को कम करने वाले फिल्टर या चश्मे का उपयोग करें। स्क्रीन को आंखों से 20-24 इंच की दूरी पर और आंखों के लेवल से सिर्फ 10-15 डिग्री नीचे रखें।

बढ़ती उम्र के भी दिखना चाहते हैं जवां तो आज से ही डाइट में कर लें बदलाव

अक्सर ऐसा होता है कि बहुत कम उम्र में ही कुछ लोगों के त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उन्हीं में एक प्रमुख कारण है खान-पान और जिवनशैली। जी हां, अगर आपका खानपान अच्छा है तो आप 55 की उम्र में भी जवां दिख सकते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं कि इसके लिए डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए।

बढ़ती उम्र के साथ शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखना, त्वचा की प्राकृतिक चमक बरकरार रखना और समग्र स्वास्थ्य को उत्तम रखना एक बड़ी चुनौती बन सकती है। अक्सर लोग सोचते हैं कि 50 के बाद ढलती उम्र के संकेत स्वाभाविक हैं, जो सच भी है, लेकिन अगर सही खानपान और एक संतुलित जीवनशैली अपनाकर जिया जाए तो आप 55 की उम्र में भी जवां और ऊर्जावान दिख सकते हैं। यह सिर्फ बाहरी सुंदरता की बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी स्वास्थ्य को भी बनाए रखने की है।

कुछ ऐसे विशेष खाद्य पदार्थ हैं, जो प्रकृति का वरदान हैं। ये न सिर्फ हमारे शरीर को पोषण देते हैं, बल्कि हमें स्वस्थ्य और हेल्दी भी रखते हैं। ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन्स और जरूरी खनिजों से भरपूर होते हैं, जो हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए इस लेख में हम ऐसे ही चार खाद्य पदार्थों के

बारे में जानते हैं, जिन्हें आज से ही अपनी डाइट में शामिल करके आप लंबे समय तक जवां और स्वस्थ रह सकते हैं।

बादाम और नट्स

बादाम, अखरोट, और काजू जैसे नट्स विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। ये त्वचा को नमी प्रदान करते हैं, झुर्रियों को कम करते हैं, और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। रोजाना सीमित मात्रा में बादाम और नट्स खाने से त्वचा में चमक आती है और मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, और मेथी जैसी हरी सब्जियां एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन A, C, और K का खजाना हैं। ये उम्र बढ़ने के लक्षणों जैसे झुर्रियां और काले धब्बों को कम करती हैं। पालक में मौजूद ल्यूटिन आंखों की रोशनी को बनाए रखता है, जबकि कैल्शियम हड्डियों को मजबूत करता है। इन्हें सलाद, सूप, या जूस के रूप में डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बेरीज

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, और रास्पबेरी जैसे बेरीज एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन C से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को जवां रखने में मदद करते हैं। ये कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं, जिससे त्वचा लचीली और चमकदार रहती है। बेरीज में मौजूद फ्लेवोनॉइड्स मस्तिष्क स्वास्थ्य को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

शनि-शुक्र बनाने जा रहे शक्तिशाली राजयोग इन राशियों को धन के साथ और भी कई लाभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि एक बेहद धीमी गति से चलने वाला ग्रह है। यह एक राशि में लगभग ढाई साल तक ठहरता है, और पूरे राशि चक्र में एक चक्कर लगाने में करीब 30 साल का समय लेता है। वर्तमान में शनि मीन राशि में स्थित है और यहां वह अन्य ग्रहों के साथ युति या विशेष दृष्टि बनाते हुए विभिन्न प्रभाव डाल रहे हैं।

गुरु से बना शक्तिशाली योग, इन राशियों की पलट सकती है किस्मत

22 जून 2025 को सुबह 11 बजकर 43 मिनट पर शुक्र और शनि के बीच 45 डिग्री का कोण बना, जिसे अर्धकेंद्र योग कहा जाता है। इस विशेष योग का प्रभाव कुछ राशियों के लिए बहुत शुभ रहने वाला है ,खासकर आर्थिक रूप से। शुक्र जहां भो, सौंदर्य और विलासिता का कारक है, वहीं शनि कर्म, अनुशासन और फल का प्रतीक है। जब ये दोनों मिलकर अर्धकेंद्र योग बनाते हैं, तो धन लाभ और स्थायित्व के योग प्रबल हो जाते हैं। इस योग के कारण कुछ भाग्यशाली राशियों को अचानक लाभ, निवेश से फायदा और रुका हुआ धन मिलने जैसे शुभ परिणाम मिल सकते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कौन सी हैं वो राशियां जिन्हें इस राजयोग से धन लाभ मिलने की संभावना है।

अर्धकेंद्र राजयोग का निर्माण कैसे होता है?

अर्धकेंद्र राजयोग तब बनता है जब दो ग्रह आपस में 45 डिग्री के कोण पर होते हैं। यह योग सौभाग्य और सफलता का संकेत देता है। खासकर जब शनि और शुक्र के बीच यह योग बनता है, तो धन, करियर और संबंधों में सकारात्मक बदलाव आते हैं। ऐसे योग से जातकों को आर्थिक लाभ, स्थिरता और नए अवसर प्राप्त होते हैं।

मेष राशि के जातकों के लिए यह शनि-शुक्र अर्धकेंद्र योग बहुत शुभ साबित होगा। आपकी बारहवीं और पहली भाव में शनि और शुक्र की स्थिति आपको कई मुश्किलों से निकाल सकती है। कामकाज में आप अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे और इस वजह से आपको सफलता मिलने के मजबूत संकेत हैं। दोस्तों के साथ आपका समय सुखद बीतेगा और नए प्रभावशाली लोगों से भी संपर्क बढ़ेगा, जिससे करियर में लाभ होगा। यात्रा के मौके भी मिल सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेंगे। उच्च अधिकारियों से अपनी बात मनवाने में भी सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और जीवन में चल रहे तनाव में कमी आएगी। परिवार के साथ मिलकर समय बिताने का अवसर मिलेगा और व्यवसाय या नौकरी में अपने लक्ष्यों को पाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे।

बगैर सांचा इन आसान ट्रिक्स से बनाएं नरम और स्पंजी इडली

हर किसी के पास इडली और ढोकला बनाने का सांचा हो ये जरूरी नहीं है। ऐसे में आपको कुछ ऐसी ट्रिक्स जरूर जाननी चाहिए, जिन्हें ट्राई करके आप सांचे के भी इसे तैयार कर सकते हैं। हालांकि ये स्टीमर काफी सस्ता आता है, लेकिन फिर भी कई घरों में ये नहीं होता। ऐसे में अगर आप भी घर पर ढोकला या फिर इडली बनाना चाहते हैं तो कुछ ट्रिक्स को आजमाकर देख लें। इन ट्रिक्स से ढोकला या इडली बनाएंगे तो एकदम बाजार के जैसा ही बनेगा।

स्टील की कटोरी इस्तेमाल करें

यदि आपके पास ढोकला या फिर इडली बनाने का सांचा नहीं है तो छोटी स्टील की कटोरियों का इस्तेमाल करें। इसके लिए कटोरी को लेकर उसमें पहले तो चारों तरफ तेल लगाएं, और फिर बैटर से आधा भर दें। अब इससे आप इडली या ढोकला बना सकते हैं।

गहरी थाली का इस्तेमाल कर सकते हैं

अगर आपके पास गहरी थाली है तो उसमें आप ढोकला और इडली तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक ऐसी थाली लेली है जो पतीले या भगोने में फिट हो जाए। इसकमें ढोकला तैयार करने के लिए पहले पतीले में उल्टी कटोरियों को रख कर उसमें उतना पानी भरें कि कटोरी पूरी न भीगे। इसके बाद थाली में तेल लगाकर उसमें बैटर डालें और फिर कटोरियों पर रख दें।

गिलास भी आएगा काम

गिलास तो हर घर में होता ही है तो इसका इस्तेमाल करके भी आप स्पंजी ढोकला और इडली तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले भगोने में पानी भरें और फिर गिलास में आधा बैटर भरकर उसे भगोने में रख दें। इस दौरान भगोने में तेल अवश्य ही लगाएं।

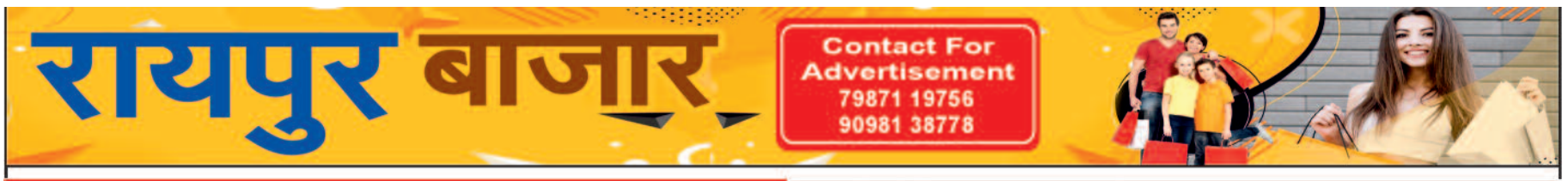

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'लाइटनिन स्ट्राइक्स' से मशहूर हुए सिंगर लू क्रिस्टी नहीं रहे

बुधवार को हॉलीवुड के मशहूर पॉप सिंगर लू क्रिस्टी का निधन हो गया। 60 के दशक में वह अमेरिकी पॉप कल्चर में एक जाना-माना नाम थे। हाल ही में मशहूर पॉप सिंगर लू क्रिस्टी के निधन की जानकारी परिवार द्वारा साझा की है। वैराइटी की खबर के अनुसार उनकी मृत्यु का कारण अभी साझा नहीं किया गया है।

अपने सिंगिंग करियर में लू क्रिस्टी ने कई गीत गाने गाए, उनका सबसे चर्चित गाना 'लाइटनिन स्ट्राइक्स(1965)' माना जाता है। यह गाना अपने समय में म्यूजिक चार्ज में टॉप पर रहा था। लू क्रिस्टी का असल नाम अल्फ्रेडो जियोवानी सैको था।

लू क्रिस्टी का जन्म 19 फरवरी 1943 को ग्लेनविलार्ड पेनसिल्वेनिया में हुआ था। वह पिट्सबर्ग में पले और बढ़े थे। हाई स्कूल में पढ़ते वक्त ही उन्होंने म्यूजिक की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी। वह म्यूजिक इवेंट्स में गाना भी गाने लगे। लू क्रिस्टी के टीचर चाहते थे वह क्लासिकल म्यूजिक में करियर बनाए लेकिन क्रिस्टी की चाहत ऐसा म्यूजिक बनाने की थी तो रिकॉर्ड बनाए, लोगों के दिलों में हमेशा के लिए बस जाए। आगे चलकर ऐसा ही हुआ, लू क्रिस्टी के गाने कई गाने अमेरिकी म्यूजिक चार्ट पर टॉप पर रहे। लू क्रिस्टी ने 1969 में 'आई एम गोना मेक यू माइन' गाना गाया, जो उस समय के टॉप टेन गानों में शामिल हुआ। इसके अलावा 'बियॉन्ड द ब्लू होराइजन' भी चार्ट में टॉप 20 में शामिल हुआ था। लू क्रिस्टी ने साल 2010 तक सॉन्ग रिकॉर्डिंग को जारी रखा। लू क्रिस्टी के परिवार में उनकी पत्नी फ्रांसेस्का विनफील्ड और उनकी बेटी बियांका क्रिस्टी हैं।

टॉलीवुड

रश्मिका ने धनुष के नाम साझा की पोस्ट, लिखा- भले ही आपके साथ पूरी फिल्म की हो लेकिन..

हाल ही में धनुष और रश्मिका मंदाना ने एक साउथ इंडियन फिल्म 'कुबेर' की है। फिल्म में दोनों के किरदार का फीसंजीदा है। क्या सेट पर भी धनुष और रश्मिका का बिहेवियर एक-दूसरे के लिए ऐसा ही था। इस बात को लेकर रश्मिका मंदाना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट धनुष के नाम पर लिखी है। रश्मिका मंदाना फिल्मों में जितना एक्टिव रहती हैं, उतना ही सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में फिल्म 'कुबेर' के अपने को-एक्टर धनुष को लेकर रश्मिका मंदाना ने एक पोस्ट साझा की है। जिसमें उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस का जिक्र किया। रश्मिका मंदाना ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में धनुष के साथ एक फोटो शेयर की और एक लंबा सा कैप्शन भी लिखा है। वह लिखती हैं, 'भले ही मैंने आपके साथ पूरी फिल्म (कुबेर) की हो लेकिन मेरे पास आपकी यही एक फोटो है। यह पोस्ट में आपकी तारीफ में कर रही हूं। आप एक बेहतरीन इंसान हैं। हर दिन बहुत मेहनत करते हैं। आप जो कुछ भी करते हैं, वह बेहतरीन है।' रश्मिका मंदाना आगे लिखती हैं, 'आप सिर्फ मेरे साथ ही नहीं बल्कि हर शख्स के लिए बहुत काइंड रहे हैं। आप हर किसी से बहुत प्यार से बात करते हैं। मैं हमेशा याद रखूंगी कि आपने मुझे सेट पर कितने लड्डू खिलाए। मेरी किस तरह से तमिल डायलॉग बोलने में मदद की। जब आपको मेरा कोई सीन करने का तरीका पसंद आता था और आप कहते थे, 'यह बढ़िया था।' ये आपके लिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन ये वाकई बहुत बड़ी बातें हैं, जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। आपको फ्यूचर के लिए बहुत सारी बेस्ट विशेज।' फिल्म 'कुबेर' में रश्मिका और धनुष के अभिनय की इन दिनों तारीफ हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर सोमवार को यह फिल्म 6.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। इसकी कुल कमाई भी 55.10 करोड़ रुपये हुई। इस तरह यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कमाई कर रही है। रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो आगे वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

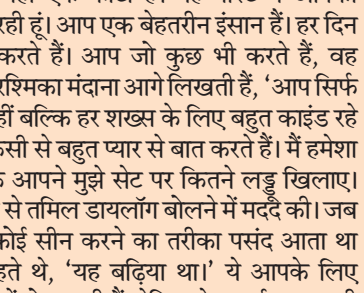

छॉलीवुड

'पप्पू के शादी म भारी टेंशन' का हुआ मुहूर्त, जल्द शुरू होगी शूटिंग

छत्तीसगढ़ी फिल्म 'पप्पू के शादी म भारी टेंशन' का मुहूर्त 24 जून को दुर्ग में सांसद विजय बघेल के हाथों हुआ। फिल्म के निर्माता-निर्देशक धज्जू आर्य ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। आयोजन के दिन सांसद विजय बघेल की शादी की सालगिरह भी थी। ऐसे में सांसद बघेल ने सभी के साथ दोहरी खुशियां मनाई। इस फिल्म में मुख्य कलाकार राज रावते, झरनेश, महिमा मोहन चौहान, विनायक अग्रवाल, उर्वशी साहू, पप्पू चंद्राकर, नकुल महलवार, रोशनी निर्वाण, शमशीर सीवानी. बलि किशोर जाटव, विकास यादव और निलेश सहित अन्य हैं। निर्माता-निर्देशक धज्जू आर्य ने बताया कि फिल्म में और भी कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म हंसी मजाक से भरपूर पारिवारिक फिल्म हैं जिसकी शूटिंग बहुत जल्द शुरू होगी।

न्यूयॉर्क शहर में न्यूयॉर्क ब्राइडल फ़ैशन वीक होने वाला एक अर्ध-वार्षिक इवेंट है।यहां ब्राइडल डिज़ाइनर अपने नए कलेक्शन प्रदर्शित करते हैं। यह आम तौर पर अप्रैल और अक्टूबर में होता है, जिसमें अप्रैल का कार्यक्रम वसंत संग्रहों पर केंद्रित होता है और अक्टूबर का कार्यक्रम पतझड़ संग्रहों पर। लेकिन इनकी तैयारियां साल भर चलती रहती है।

आउटफिट के साथ कैरी करें ट्रेंडी हैंडबैग, ऐसे करें डिजाइन पसंद

जब भी आउटफिट के साथ हम अपने फोन या अन्य सामान को लेकर जाते हैं, तो अक्सर अलग-अलग डिजाइन वाले हैंडबैग को कैरी करते हैं। लेकिन हर एक बैग हमारी आउटफिट के साथ अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में हम उसे चेंज करने के बारे में सोचते हैं। इस बार आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन के हिसाब से अपने हैंडबैग को चूज करें। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

हैंडबैग को आउटफिट के साथ कैसे करें मैच

आप अपने हैंडबैग को आउटफिट के साथ मैच कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको हैंडबैग के डिजाइन का खास ध्यान रखना होगा। साथ ही, आपको इसके पैटर्न को अपने सामान के हिसाब से चूज करना होगा। इससे आपको बैग कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

ब्लैक ऐड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग

आप अगर चाहती हैं कि हैंडबैग हर आउटफिट के साथ मैच करे, तो ऐसे में आप ब्लैक और ब्राउन कलर के कॉम्बिनेशन को चूज कर सकती हैं। इस तरह के कलर कॉन्ट्रास्ट वाले बैग काफी अच्छे लगते हैं। साथ ही, इसे आप किसी भी कलर के आउटफिट के साथ आसानी से कैरी भी कर सकती हैं। इसमें आपको प्लेन से लेकर प्रिंटेड हर तरह के हैंडबैग का ऑप्शन मिल जाता है, जो स्टाइल करने के बाद अच्छा लगता है।

चेक डिजाइन वाले हैंडबैग

अगर आपको ज्योमैट्रिकल पैटर्न वाली चीजें ज्यादा पसंद है, तो फोटो में नजर आने वाला हैंडबैग आप पसंद कर सकते हैं। इस तरह के हैंडबैग भी कैरी करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल शेड कलर मिलता है। साथ में लगने वाली गोल्डन चेन। इससे यह बैग और भी ज्यादा अट्रैक्टिव नजर आता है। साथ ही, इसे कैरी करने के बाद लुक भी क्लासी लगता है। मार्केट में इस तरह के बैग आपको आसानी से मिल भी जाते हैं।

टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग

कई सारे लोग होते हैं, जिन्हें लैदर या कपड़े से बना बैग पसंद नहीं आता है। आप इस फोटो में नजर आने वाले बैग को कैरी कर सकते हैं। इस तरह के बैग में टेस्ल से डिटेलिंग वाला काम किया गया है।

घुंघरू पायल डिजाइन आपके पैरों की खूबसूरती में लगा देंगे चार चांद

महिलाएं अपनी खूबसूरती को कायम रखने के लिए कई प्रयास करती है। इनमें से कुछ महिलाएं आउटफिट से लेकर एक्सेसरीज तक हर एक चीज परफेक्ट मैच कर पहनना पसंद करती है। अगर आप भी अपने लुक को डिफरेंट और एलिगेंट टच देना चाहती है, तो कुछ ऐसे घुंघरू डिजाइन पायल आपको देखने चाहिए जो आपके पैरों की खूबसूरती को और बढ़ा देंगे।

घुंघरू पायल डिजाइन

अगर आप अपने पैरों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं और इन्हें डिफरेंट लुक देना चाहती हैं, तो आप इस तरह के सिल्वर घुंघरू पायल डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे पायल आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह देखने को मिल सकते हैं। इस तरह की पायल को आप अपने किसी भी आउटफिट के साथ पहन सकती हैं।

ऑक्सीडाइज्ड घुंघरू पायल

आप चाहे तो इस खूबसूरत घुंघरू पायल डिजाइन को भी पहनकर अपने पैरों की

खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। इस तरह के पायल भी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएंगे। यह पायल आपके पैरों को स्टाइलिश और मॉडर्न टच देने के साथ-साथ आपके लुक को भी एलिगेंट टच देने में बेहद मदद करेंगी। इसे पहनकर आप बला की खूबसूरत लग सकती हैं।

घुंघरू एंकलेट डिजाइन

एक जैसे पायल डिजाइन पहनकर अगर आप भी बोर होने लगी है, तो अब अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप इस तरह के घुंघरू पायल डिजाइन भी ट्राई कर सकती हैं। ऐसे पायल आपके पैरों की खूबसूरती को बढ़ाएंगे और आपको डिफरेंट लुक देने में मदद करेंगे। आप ऐसे पायल डिजाइन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती है।

ऑयली स्किन पर लगाएं ये खास फेस पैक, मिलेंगे गजब के फायदे

जब भी स्किन ज्यादा ऑयली होती है, तो इसकी वजह से चेहरे पर दाने या अन्य समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप हफ्ते में 1 बार फेस पैक का इस्तेमाल जरूर करें, ताकि स्किन हेल्दी रहे।

फेस पैक लगाने के क्या होते हैं फायदे

फेस पैक को लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा गंदगी साफ हो जाती है। साथ ही, चेहरे का रंग भी निखरता है। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में 1 बार करें। इसके बाद आपको पार्लर जानें कि या महंगे प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपकी त्वचा में नेचुरली निखार नजर आएगा। बस आपको ऑयली त्वचा के हिसाब से फेस पैक की सामग्री को चूज करना होगा।

चंदन और दही का फेस पैक

चेहरे पर आप चंदन और दही के फेस पैक को लगा सकती हैं। इस तरह के फेस पैक को लगाने से आपकी त्वचा साफ हो जाएगी। साथ ही, आपके चेहरे

पर अलग निखार नजर आएगा। इसके लिए आपको इसे आसान तरीके से बनाने की जरूरत है।

चंदन और दही का फेस पैक कैसे बनाएं

इसके लिए आपको पहले एक कटोरी में 2 चम्मच चंदन पाउडर लेना है। अब इसमें 2 चम्मच दही को मिक्स करना है। हल्की सी हल्दी को मिक्स करें और पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। फिर इसे कुछ देर के लिए सूखने दें।

इन दिनों ट्रेंड में हैं रफल साड़ी, हर तरह के फंक्शन के लिए बेस्ट

फैशन की दुनिया में रोजाना नए-नए बदलाव होते रहते हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं चाहती है कि वह भीड़ से हटकर और कुछ डिफरेंट लुक क्रिएट करें। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक है, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसी लेटेस्ट रफल साड़ी डिजाइन के बारे में बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप डिफरेंट और गॉर्जियस लुक क्रिएट कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी इन दिनों बहुत चर्चा में है।

रफल साड़ी के डिजाइन

अगर आप भी एक जैसी साड़ी पहनकर बोर हो गई है और कुछ यूनिक ट्राई करना चाहती हैं, तो अब आप इस तरह की खूबसूरतसफ़ेद ऑर्गेंजा रफ़ल साड़ी ट्राई कर सकती है। ऐसी साड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह देखने को मिल जाएगी। इस साड़ी के साथ आप एक्सेसरीज और मेकअप कर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

ऑर्गेंज़ा रफल्स साड़ी

अगर आप हर फंक्शन में पहनने के लिए कोई खूबसूरत साड़ी देख रही है, तो ऐसीऑर्गेंज़ा रफल्स साड़ी आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। इस तरह की साड़ी अधिकतर महिलाएं पहनना पसंद कर रही है। इस साड़ी को आप नजदीकी बाजार से खरीद सकती है या ऑनलाइन भी घर बैठे मंगा सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप कंट्रास्ट ब्लाउज भी शामिल कर सकती है।

हल्के हरे रंग की प्रिंटेड रफल साड़ी

अपने लुक को चेंज करने के लिए और भीड़ से अलग दिखने के लिए आप एक जैसी साड़ी पहनने के बजाय इस खूबसूरत हल्के हरे रंग की प्रिंटेड रफ़ल साड़ी को भी ट्राई कर सकती है। इस तरह की साड़ी भी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।

कार्नर न्यूज

आपकी पर्सनालिटी का आईना होती है शानदार हेयर स्टाइल

सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिंग रूल्स अपनाकर देखिए, लोग फिदा होंगे आपके बालों पर

क्या कभी आपने सोचा है कि कुछ लोगों के बाल इतने शानदार क्यों दिखाई देते हैं? जबकि कुछ लोगों के बाल कभी भी उनके कंट्रोल में नहीं रहते हैं। इसके अलावा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि, वो अपने बालों को मैनेजबल रखने की कितनी कोशिश करते हैं। ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि, कुछ पुरुष अपनी हेयर स्टाइल और बालों के लिए कुछ नियमों का पालन करते हैं। मानो या न मानो, जब हम अपने बालों की बात करते हैं, तो हम पुरुष बहुत ही नखरे करते हैं। हम में से अधिकांश लोगों पर, नियम का पालन न करने की वजह से ही प्रोडक्ट और रूटीन कोई असर नहीं करते हैं। जब तक आप कुछ बुनियादी नियमों का पालन नहीं करेंगे तब तक कुछ भी आपकी मदद नहीं कर सकता है। इसलिए, हम आपको सेलिब्रिटीज के द्वारा फॉलो किए जाने वाले हेयर स्टाइलिंग रूल्स के बारे में जानकारी देंगे। ये रूल किसी भी हेल्दी बालों वाले पुरुष के द्वारा फॉलो किए जाने चाहिए, फिर चाहे वो मॉडल, एक्टर या कोई कॉमन मैन ही क्यों न हो।

बालों को चिपचिपा और ऑयली न रखें

हालांकि, नियमित रूप से आपके बालों में तेल लगाना अच्छा होता है, लंबे समय तक उस तेल को लगाकर छोड़ देना बिल्कुल भी अच्छा विकल्प नहीं है। ये बात एकदम सच है कि, स्कैल्प का बहुत ज्यादा ऑयली या चिपचिपा होना बालों की सेहत के लिए एकदम ठीक नहीं है। ऑयली स्कैल्प से कमजोर बाल निकलते हैं। इसके अलावा, उनकी ग्रोथ ठीक न होने से वो आसानी से डैमेज झेलकर टूट भी सकते हैं। यदि आप इन बातों का ध्यान नहीं रखते हैं, तो चाहे आप कितने भी बढ़िया कंडीशनर का इस्तेमाल करें या आपका शैम्पू कितना भी महंगा क्यों न हो, आपके बालों के लिए कुछ भी काम नहीं करेगा। अपने बालों को स्टाइल करना और एक सभ्य दिखने वाली स्टाइल में ट्रांसफॉर्म कर पाना भी लगभग असंभव हो जाता है।

बालों को सूट करने वाले अच्छे प्रोडक्ट खरीदें

हेयर स्टाइल और हेयर केयर प्रोडक्ट्स की बात करते हुए, सुनिश्चित करें कि आप कमजोर क्वालिटी के प्रोडक्ट्स का उपयोग नहीं कर रहे हैं। यह जरूरी है कि आप सही प्रोडक्ट को खरीदने से पहले

थोड़ी सी रिसर्च जरूर करें।

कुछ समय और पैसा लगाने के बाद वही प्रोडक्ट खरीदें जो आपके लिए सबसे अच्छा काम करता है। ये बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि, बालों के लिए अच्छे प्रोडक्ट बहुत महंगी कीमत पर ही मिलते हैं। मार्केट में बजट प्रोडक्ट्स भी मौजूद हैं। लेकिन ध्यान उनकी क्वालिटी पर ही फोकस रखें। अगर आप बहुत अधिक कंफ्यूज हैं, तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से परामर्श कर सकते हैं। वो आपको बालों और स्किन के हिसाब से सही प्रोडक्ट चुनने में मदद कर सकते हैं।

बालों के टेक्स्चर और घनत्व का ध्यान रखें

आपके पास जैसे भी बाल हैं, उन्हें पूरे मन से स्वीकार करें। यदि इसमें स्वाभाविक रूप से मोटी बनावट है, तो इसे बदलने की कोशिश न करें। यदि आपके बालों का स्वाभाविक रूप से पतला घनत्व है, तो कोई भी प्रोडक्ट या रूटीन आपकी मदद नहीं कर सकता है।